अध्याय 2

वित्तीय विवरण–2

सीखने के उद्देश्य (Learning Objective) :–

इस पाठ का अध्ययन करने के पश्चात आप जान पायेंगे कि –

1. वित्तीय विवरण तैयार करते समय समायोजन (Adjustment) करने की क्या आवश्यकता है ।
2. अदत्त व्यय तथा पूर्वदत्त व्यय, उपार्जित आय तथा अग्रिम प्राप्त आय क्या है तथा इसका लेखांकन किस प्रकार होता है ।
3. ह्रास, डूबत ऋण, संदिग्ध ऋणो के लिये प्रावधान और देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान का समायोजन किस प्रकार तथा क्यों किया जाता है ।
4. प्रबंधक को दिये जाने वाले कमीशन तथा पूँजी पर लगाये जाने वाले ब्याज की अवधारणा क्या है तथा इनके संबंध में लेखांकन किस प्रकार होता है ।
5. समायोजन सहित व्यापार खाता, लाभ–हानि खाता तथा स्थिति विवरण किस प्रकार तैयार करते है।
6. वित्तीय विवरणों का शीर्ष प्रस्तुतिकरण कर सकेगे ।

समायोजन एवं समायोजन प्रविष्टियाँ (Adjustments and Adjustment Entries)

लेखांकन का मुख्य उद्देश्य व्यापार से सम्बन्धित समस्त सूचनाओं को एकत्रित करके, उन्हें इस प्रकार प्रस्तुत करना है कि व्यापारी को अपने व्यापार से सम्बन्धित लाभ–हानि तथा आर्थिक स्थिति की सही–सही जानकारी प्राप्त हो सके । यह कार्य पूर्ण प्रकटीकरण की परम्परा के अन्तर्गत किया जाता है, ताकि व्यापार में रूचि रखने वाले समस्त पक्षकारों को आवश्यक सूचनाऐं सही सही प्राप्त हो जाय ।

व्यापार में व्यवहारों का लेखांकन दो आधारो पर किया जाता है । जिस आधार में केवल रोकड़ प्राप्तियों एवम् रोकड़ भुगतानों का लेखा किया जाता हे उसे रोकड़ आधार पर लेखांकन कहते हैं । परन्तु जिस आधार के अन्तर्गत आय और व्ययों के मिलान की अवधारण तथा निरन्तरता की अवधारणा को ध्यान में रखते हुए लाभ–हानि एवम् आर्थिक स्थिति की जानकारी प्राप्त करने के लिए व्यवहारों का लेखांकन किया जाता है उसे उपार्जन आधार पर लेखांकन कहते है । इस आधार के अन्तर्गत जिस लेखा वर्ष से सम्बधित आय लेखों में लेखांकित होती है उससे सम्बन्धित व्यय भी लेखांकित होने चाहिये और जिस लेखा वर्ष से सम्बन्धित व्यय लेखों में लिखे गये है उनसे संबंधित आय भी लेखांकित हो जानी चाहिये । इस प्रकार लेखांकित आय से सम्बन्धित व्ययों एवम् हानियों तथा लेखांकित व्ययों एवम् हानियों से सम्बन्धित आयो का पूर्णतः लेखांकन न हुआ हो तो उन्हें ज्ञात कर उनका लेखांकन करना ही समायोजन हैं। इससे न केवल लेखांकन की अवधारणाओ एवम् परम्पराओं का पालन होगा बल्कि व्यवसास का लाभ–हानि खाता व्यापार की सही एवम् उचित लाभ की स्थिति तथा चिट्ठा व्यापार की सही एवम् उचित आर्थिक स्थिति का प्रदर्षन कर सकेंगें। अतः लेखांकन की अवधारणाओं एवम् परम्पराओं को ध्यान में रखते हुए अन्तिम खाते बनााने से पूर्व ज्ञात समायोजनो के लिए जो प्रविष्टियां की जाती हैं उन्हें समायोजन प्रविष्टियाँ कहते हैं ।

समायोजन प्रविष्टियाँ करने के पीछे मूल उद्देष्य यह होता कि लेखा वर्ष से सम्बन्धित समस्त आयों एवम् लाभों को लेखांकित कर दिया गया है चाहे वे प्राप्त हुए हों या नहीं तथा लेखावर्ष से सम्बंधित समस्त व्ययों एवम् हानियों को लेखांकित कर दिया गया है चाहे उनका भुगतान हुआ है या नहीं।

प्रमुख समायोजन निम्नलिखित हैं :–

1. वर्ष के अन्त का रहतिया (Stock at the end of the year)
2. बकाया तथा उपार्जित व्यय (Outstanding and Accrued expenses)
3. पूर्वदत्त व्यय (Prepaid Expenses)
4. उपार्जित आय तथा बकाया आय (Accrued Income and Outstanding Income)
5. अनुपार्जित आय (Unearned Income)
6. मूल्यह्रास (Depreciation)
7. डूबत एवम् संदिग्ध ऋणों के लिए आयोजन (Provision for Bad & Doubtful Debts)

8. देनदारो पर बट्टे के लिए आयोजन (Provision for Discount on Debtors)

9. प्रबन्धकीय पारिश्रमिक (Managerial Remuneration)

10. पूँजी पर ब्याज (Interest on Capital)

वर्ष के अन्त में रहतिया (Stock at the end of the Year) :

जो माल लेखा वर्ष के अन्त में व्यापार में (व्यापारी के गोदाम में) विद्यमान रहता है उसे वर्ष के अन्त का रहतिया कहते है । वर्ष के अन्तिम दिन व्यापार में विद्यमान रहतिया निम्नलिखित तीन रूपों में हो सकता है –

कच्ची सामग्री (Raw material)

अर्द्ध निर्मित माल (Semi Finished Goods)

निर्मित माल (Finished Goods)

वर्ष के अन्त में विद्यमान रहतिये का लेखांकन (Accounting of Stock at the end of the year) : इसका लेखांकन दो तरह से किया जाता है – (i) अंतिम खाते बनाने से पूर्व (ii) अंतिम खाते बनाते समय

(i) अंतिम खाते बनाने से पूर्व यदि लेखांकन किया जाय तो रहतिया क्रय में समायोजित हो जाता है और इसका नाम शेष चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दिखाया जाता है । इस दिशा में निम्नलिखित जर्नल प्रविष्टि की जाती है –

Stock A/c Dr.

To Purchase A/c

(Being stock at the end adjusted)

(ii) अतिंम खाते बनाते समय यदि इसका लेखांकन किया जाय तो इसे निमार्ण या व्यापार खाते के जमा पक्ष में तथा चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दिखाया जाता है । इसके लिए निम्नलिखित समायोजन प्रविष्टि की जाती हैः–

Stock A/c Dr.

To Manufacturing / Trading A/c

(Being stock at the end adjusted)

यदि वर्ष के अन्त का रहतिया कच्चे माल या अर्द्ध निर्मित माल का हो तो वह निर्माण खाते में जमा होगा । अगले वर्ष यह रहतिया निर्माण या व्यापारिक खाते के नाम पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाता हैं।

2. अदत्त तथा उपार्जित व्यय (Outstanding & Accrued Expenses) :

ऐसे व्यय जिनका सम्बन्ध वर्तमान लेखा अवधि से होता है लेकिन इनका भुगतान इस लेखा अवधि में नहीं किया गया है तो ऐसे व्यय अदत्त तथा उपार्जित व्यय कहलाते हैं । लेखांकन की दृष्टि से ऐसे व्यय जो चालू लेखा अवधि से सम्बंधित तो है और उनका भुगतान इसी वर्ष में होना था परन्तु नहीं किया गया है तो वे व्यय बकाया व्यय कहलाते है। ऐसे व्यय जो चालू लेखा अवधि से सम्बंधित तो हैं परन्तु उनका भुगतान अगली अवधि में ही देय होगा तो ऐसे व्ययों को उपार्जित व्यय कहते हैं। कुछ विद्वान ऐसा वर्गीकरण न कर दोनो को बकाया व्यय ही कहते हैं। परन्तु ऐसा वर्गीकरण करके समझना विद्यार्थियो के लिए हितकर है। उदाहरणार्थः– राम ने रहीम से 5000 रू. का ऋण 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से लिया। इस पर ब्याज का भुगतान 30 जून ओर 31 दिसम्बर को किया जाता है । राम का लेखावर्ष 31 मार्च को समाप्त होता है । इस उदाहरण में यह मान लिया जाय कि 31 दिसम्बर को 6 माह का ब्याज का भुगतान राम ने 31 मार्च तक रहीम को नहीं किया है तो यह ब्याज 300 रू. अदत्त ब्याज (Outstanding Interest) माना जायेगा। चूंकि राम की बहियां 31 मार्च को बन्द होती है और अगला ब्याज देय (Due) ही 30 जून को होता है परन्तु 31 मार्च तक 3 माह का ब्याज ऐसा है जो लेखावर्ष 31 मार्च से सम्बधित तो है परन्तु उसका भुगतान करना देय (Due) नहीं हुआ है । अतः यह तीन माह (जनवरी से मार्च तक) का ब्याज 150 रू. उपार्जित ब्याज कहलायेगा न कि बकाया ब्याज। इसके लेखांकन के लिए निम्नलिखित जर्नल प्रविष्टि की जाती है –

Respective Expenses A/c Dr.

To Outstanding / Accrued Expenses A/c

(Being expenses due)

इस प्रविष्टि का प्रभाव यह होता है कि सम्बंधित व्यय की राशि इस राशि से बढ़ जाती है और बकाया / उपार्जित व्यय खाते का जमा शेष चिट्ठे के दायित्त्व पक्ष में दिखाया जाता है। यदि सम्बधित व्यय का खाता प्रत्यक्ष व्ययों से सम्बधित है (जैसे मजदूरी, क्रय पर गाड़ी भाड़ा, चूंगी या अन्य प्रत्यक्ष व्यय) तो वह व्यय व्यापार या निर्माण

खाते में सम्बन्धित व्यय की राशि में जुड़कर प्रदर्शित होगा और यदि वह व्यय अप्रत्यक्ष है (जैसे टेलीफोन व्यय, वेतन, बीमा व्यय या अन्य अप्रत्यक्ष व्यय) तो लाभ–हानि खाते में सम्बंधित व्यय की राशि में जुड़कर प्रदर्शित होगा।

यदि तलपट ऐसा समायोजन करने के बाद बनाया गया है तो सम्बंधित व्यय की राशि तलपट में समायोजन होने के पश्चात् ही आयी हैं । ऐसी दशा में वह सीधे ही निर्माण / व्यापारिक या लाभ–हानि खाता में लिख दी जायेगी । तलपट में विद्यमान बकाया / उपार्जित व्ययों का जमा का शेष भी सीधा चिट्ठे के दायित्त्व पक्ष में लिख दिया जायेगा । इन राशियों में और किसी प्रकार के परिवर्तन की (समायोजन की) आवश्यकता नहीं होगी

उदाहरण (Illustration) : 1

एक व्यापारी के तलपट में 31 मार्च 2010 को निम्न मदें दी गयी है । वेतन 250 ₹ मजदूरी 100 ₹ तलपट के बाद निम्न सूचनाऐं दी गयी है :–

अदत्त वेतन 150 ₹ एवं अदत्त मजदूरी 200 ₹

अदत्त व्ययों के समायोजन के लिए लेखा पुस्तकों में प्रविष्टियां कीजिये एवं 31 मार्च 2010 को तैयार किये जाने वाले अंतिम खातों में इन मदों को दिखाइये ।

Following item shown in a Trial Balance of Trader as on 31 March 2010

Salary ₹ 250 Wages ₹ 100.

Following information are given after Trial Balance: outstanding Salary ₹ 150 Wages Outstanding ₹ 200. Give adjustment entries for outstanding expenses and show in the Final account as on 31 March 2010

हल (Solution) :

Journal Proper

Date	Particulars	L.F.	Amount(Dr.) ₹	Amount(Cr.) ₹
31-03-2010	Salary A/c Dr. To Outstanding Salary A/c (Being Salary Outstanding)		150	150
31-03-2010	Wages A/c Dr. To Outstanding Wages A/c (Being wages outstanding)		200	200

Dr. Trading Account for the year ending 31st March 2010 Cr.

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Wages	100			
Add: Outsanding	200	300		

Profit and Loss Account for the year ending 31st March 2010

Particulars		Amounts ₹	Particulars	Amounts ₹
To Salary	250			
Add: Outsanding	150	400		

Balance Sheet as on 31st March 2010

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Outstanding Expenses				
Wages	200			
Salary	150	350		

3. पूर्वदत्त व्यय (Prepaid Expenses) :

ऐसे व्यय जिनका सम्बन्ध आगामी लेखा अवधि से है परन्तु उनका भुगतान चालू लेखा अवधि में कर दिया जाता हे तो ऐसे व्ययों के भुगतानों को पूर्वदत्त व्यय कहते हैं । इन व्ययों का लाभ भी आगामी अवधि में ही प्राप्त होगा इसलिए मिलान की अवधारणा का पालन करने के लिए अदत्त एवम् पूर्वदत्त व्ययों का समायोजन करना आवष्यक होता हैं । पूर्वदत्त व्ययों के लेखांकन के लिए निम्नलिखित समायोजन प्रविष्टि की जाती हैः–

Prepaid Respective Expenses A/c Dr

To Respective Expenses A/c

(Being expenses paid in Advancee)

इसका प्रभाव यह होता है कि सम्बंधित व्यय की राशि में से पूर्वदत्त व्यय की राशि कम हो जाती है । यदि व्यय व्यापार खाते / निर्माण खाते से सम्बंधित है (प्रत्यक्ष व्यय है) तो वहां यह राशि कम होने के पश्चात् शेष राशि ही सम्बंधित व्यय में लिखी जायेगी। पूर्वदत्त व्यय के खाते का नाम शेष चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दर्शाया जाता है ।

उदाहरण (Illustration) : 2

1 अक्टूबर 2010 को बीमा प्रीमियम की किस्त 1,000 रू. एक वर्ष के लिए चुकायी। 31 मार्च, 2011 को व्यापारी अपनी पुस्तकें बंद करता है । समायोजन प्रविष्टि दीजिये एवं अंतिम खातों में दिखाइये । (On 1st October 2010 Insurance Premium Rs.1000 paid for a year. Trader close his books on 31st March 2011. Give adjustment entry and show it in Final Account)

हल (Solution) :-

Journal

Date	Particulars	L.F.	Amount(Dr.) ₹	Amount(Cr.) ₹
2010 March 31	Prepaid Insurace Premium A/c Dr		500	
	To Insurance Premium A/c			500
	(Being Insurance Premium Paid in Advance)			
	Total		500	500

Profit and Loss Account for the year ending 31st March 2011

Dr. **Cr.**

Particulars		Amounts ₹	Particulars	Amounts ₹
To Insurance Premium	1000			
Less: Prepaid Ins. Pre.	500	500		

Balance Sheet as on 31st March 2010

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
		Prepaid Insurance Premium	500

4. उपार्जित आय तथा बकाया आय (Accured Income and Outstanding Income) :

ऐसी आय जो वर्तमान लेखा अवधि से सम्बंधित है परन्तु न तो प्राप्त होनी देय हुई है और न प्राप्त हुई है उसे उपार्जित आय कहते है। बकाया आय वह आय होती है जो वर्तमान लेखा अवधि से सम्बंधित हैं और प्राप्त होनी देय हो गई है परन्तु प्राप्त नही हुई है। उदाहरण के लिए एक व्यापारी ने 1,00,000 रू. के ऋणपत्र खरीद रखे हैं जिन पर 30 जून और 31 दिसम्बर को प्रति छः माही 12 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज मिलता है। व्यापारी की लेखा पुस्तकं 31 मार्च को बन्द होती हैं। व्यापारी को 31 दिसम्बर तक देय ब्याज 31 मार्च तक नहीं मिला। इस दशा में 31 दिसम्बर को देय ब्याज

(1,00,000 x 12/100 x 6/12) = 6000 रू अदत्त ब्याज है तथा 1 जनवरी से 31st मार्च तक का 3 माह का ब्याज (1,00,000 x 12/100 x 3/12) = 300 रूपये उपार्जित ब्याज है । इसके लेखांकन की जर्नल प्रविष्टि इस प्रकार होगी –

Accrued/Outstanding Income A/c Dr.
To Respective Income A/c
(Being income accured / outstanding but not yet received)

इस प्रविष्टि का प्रभाव यह होता है कि लाभ–हानि खातें में सम्बंधित आय इस राशि से बढ़कर लेखांकित होती है तथा उपार्जित/बकाया आय खाते का नाम शेष चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दर्शाया जाता है।

5. अनुपार्जित आय (Unearned Income or Income Received in Advancee)

ऐसी आय जो आने वाली या भावी लेखा अवधि से सम्बंधित है और चालू लेखा अवधि में ही प्राप्त हो जाती है तो यह चालू लेखा अवधि की आय न होने से चालू लेखा अवधि के लिए अनुपार्जित आय या आय की अग्रिम प्राप्ति कहलाती है। इसके लेखांकन के लिए निम्नलिखित जर्नल प्रविष्टि की जाती है –

Respective Income A/c Dr.
To Unearned Income A/c
(Being income relating to next year received in Advance)

इस प्रविष्टि का प्रभाव यह होता हे कि लाभ–हानि खाते में सम्बंधित आय इतनी राशि से कम होकर प्रदर्शित होती है तथा अनुपार्जित आय खाते का जमा का शेष चिट्ठे के दायित्त्व पक्ष में दिखाया जाता है।

उदाहरण (Illustration) : 3

एक व्यापारी के तलपट में निम्नलिखित मदें दी हुई है। (Following items appear in a Trial Balance of a Trader)

किराया प्राप्त (Rent Received) - Rs. 1500

कमीषन प्राप्त (Commission Received) - Rs. 1000

अन्य सूचनायें (Other Information) :

(1) किराया प्रतिमाह 100 रू. प्राप्त होता है (Rent Receivable@100 Per Month)

(2) अग्रिम कमीशन प्राप्त हुआ 200रू. (Commission Received in Advance Rs.200)

उपरोक्त सूचनाओं से समायोजन प्रविष्टियां बनाइयें एवं अंतिम खातो में दिखाइये। (From the above information make adjustment entries and show in Final Accounts)

Journal Proper

Date	Particulars	L.F.	Amount(Dr.) ₹	Amount (Cr.) ₹
31-03-2010	Rent A/c Dr. To Unearned Rent A/c (Being rent received in advance)		300	300
	Commission A/c Dr. To Unearned Commission A/c (Being Commission received in advance)		200	200
	Total		500	500

Profit and Loss Account for the year ending 31st March 2010

Dr. **Cr.**

Particulars	Amounts ₹	Particulars		Amounts ₹
		By Rent	1500	
		Less: Unearned Rent	300	1200
		By Commission	1000	
		Less: Unearned commission	200	800

Balance Sheet as on 31st March 2010

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Unearned Rent	300			
Unearned Commission	200	500		

6. मूल्यह्रास (Depreciation)

स्थायी सम्पत्ति ये व्यापार में प्रयोग करने के लिए खरीदी जाती है जो व्यवसाय के लाभार्जन में सहायक होती हैं और इन सम्पत्तियो के उपयोग करने से उनके जीवनकाल एवम् मूल्य दोनों में कमी होना स्वाभाविक है। इसके अलावा समय बीतने (व्यतीत होने) के साथ–साथ, नई नई तकनिको का भी विकास होता है। जिसके कारण इसके मूल्य में कमी होना स्वाभाविक होता हैं। इस कमी की राशि को ही मूल्यह्रास कहते है। यह व्यापारी के लिए हानि है। इसलिए जब तक लेखावर्ष से सम्बंधित समस्त हानियों का लेखा न हो जाय व्यापार का लाभ–हानि खाता सही लाभ की और चिट्ठा सही आर्थिक स्थिति की जानकारी नहीं दे पायेगा। ह्रास के लेखांकन के लिए निम्नलिखित प्रविष्टि की जाती हैं :–

Depreciation A/c Dr.
To Respective Assets A/c
(Being depreciation charged)

इसका प्रभाव यह होता है कि ह्रास लाभ–हानि खाते के नाम पक्ष में लिखा जाता है और स्थायी सम्पत्तियो का मूल्य इस ह्रास की राशि से कम करके शेष राशि चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दर्शायी जाती है। यदि यह समायोजन करने के बाद का तलपट दिया हो तो तलपट में लिखे मूल्यह्रास के नाम शेष को लाभ–हानि खाते में तथा सम्बंधित सम्पत्ति खाते के नाम शेष को चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में प्रदर्शित किया जायेगा।

उदाहरण (Illustration) : 4

निम्नलिखित सम्पत्तिया एक व्यापारी के तलपट में दिखायी गयी हैं
(Following assets are shown in the Trail Balance of a Trader)
भवन (Building) Rs.13,000, मषीनरी (Machinery) Rs. 5,000, फर्नीचर (Furniture) Rs. 1,000
सूचनायें (Informations):-
1. भवन पर 10% प्रतिवर्ष मूल्यह्रास लगाइये। (Provide depreciation on Building @ 10% per annum)
2. मशीनरी एवं फर्नीचर पर 15% प्रतिवर्ष मूल्यह्रास लगाइये। (Provide depreciation @ 15% p.a. on machinery & furniture)
आवश्यक समायोजन प्रविष्टियाँ कीजिये एवं इन्हे अंतिम खातों में बताइये (Make necessary adjustment entries and show them in Final Account)

हल (Solution) :

Journal Proper

Date	Particulars	L.F.	Amount (Dr.) ₹	Amount (Cr.) ₹
	Depreciation A/c Dr. To Building A/c (Being depreciation charged on Building @10% per annum)		1300	1300

	Depreciation A/c Dr. To Machinery A/c To Furniture A/c (Being depreciation charged on Machinery & Furniture @ 15% per annum.)		900	 750 150

Dr. Profit and Loss Account for the year ending…… Cr.

Particulars			Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Depreciation on :		Rs.			
Building	-	1300			
Machinery	-	750			
Furniture	-	150	2200		

Balance Sheet as on ……..

Liabilities	Amount ₹	Assets		Amount ₹
		Building	13,000	
		Less: Depreciation	1,300	11,700
		Machinery	5,000	
		Less: Depreciation	750	4,250
		Furniture	1,000	
		Less: Depreciation	150	850

7. डूबत ऋण (Bad Debts)

जिन व्यक्तियों को व्यापारी उधार माल बेचता है उन्हे ग्राहक या ऋणी कहते है। उनमें से अधिकांश व्यापारी समय पर भुगतान कर देते हैं। लेकिन कुछ व्यापारी समय पर भुगतान नहीं कर पाते जो व्यापार बन्द करके स्वयं लापता हो जाते हैं। कुछ व्यापारी स्वयं को दिवालिया घोषित करने के लिए आवेदन कर देते है। इन व्यापारियो सें काफी तकादा करने के बाद भी भुगतान प्राप्त नहीं होता उन्हें हम डूबतऋण कहते हैं। इसकी निम्नलिखित जर्नल प्रविष्टि की जाती हैः–

Bad Debts A/c Dr.
To Debtors A/c
(Being bad debts written off)

8. संदिग्ध ऋणों के लिए आयोजन (Provision for doubtful debts)

जिन व्यक्तियों को व्यापारी उधार माल बेचता है उन्हें ग्राहक या ऋणी कहते है। इनके द्वारा यदि निर्धारित अवधि में भुगतान कर दिया जाता है तो इनके लिए व्यापारी को किसी प्रकार का प्रावधान करने की आवश्यकता नहीं होती। वर्तमान समय में अधिकांष व्यापार उधार पर निर्भर है और जिन्हें व्यापारी उधार माल बेचता है उनमें से अधिकांश व्यापारी समय पर भुगतान कर देते हैं परन्तु कुछ व्यापारी ऐसे भी होते हैं जो व्यापार बन्द करके स्वयं लापता हो जाते हैं या कुछ व्यापारी स्वयं को दिवालिया घोषित करने के लिए आवेदन कर देते हैं। अतः जिन व्यापारियों से राशि वसूल होने की बिल्कुल संभावना न हो उनको डूबतऋण मान लिया जाता है परन्तु जिन ऋणों से कुछ वसूल होने की संभावना हो उनके लिए व्यापारी डूबत एवम् संदिग्ध ऋणों के रूप में प्रावधान बनाना उचित समझता है। इसका प्रभाव यह होता है कि लाभ–हानि खाते द्वारा सही लाभ की स्थिति प्रदर्शित की जाती है और चिट्ठा भी सही आर्थिक स्थिति प्रदर्शित करता हैं। ऐसा आयोजन करने के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि सर्वप्रथम उन देनदारों का पता लगाया जाय जो संदिग्ध है तथा उनकी आर्थिक स्थिति कैसी है। इस आधार पर ही उनसे प्राप्त होने वाली राषि की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। व्यवहार में ऐसा जानना कठिन होता है इसलिए गत वर्षो के अनुभव के आधार पर कुल देनदारों के एक निश्चित प्रतिशत तक प्रावधान कर लिया जाता है। चूंकि मिलान अवधारणा तथा

सुदृढ लेखा नीतियों के अनुसार जिस वर्ष आय लेखांकित हो उस वर्ष से सम्बंधित खर्चे एवम् हानियां भी उसी वर्ष में लेखांकित हो जाने चाहिये। डूबत ऋण एवम् इनका प्रावधान भी एक हानि है और सम्बंधित विक्रय वाले वर्ष में ही इन हानियों का प्रावधान कर लिया जाना चाहिये। इसके लिए निम्नलिखित जर्नल प्रविष्टि की जाती है –

(i). संदिग्ध ऋणों के लिए –

Profit & Loss A/c Dr.

To Provision for Bad & Doubtful Debtors A/c

(Being amount provided for doubtful debtors)

(ii). राशि डूबने पर –

Bad Debts A/c Dr.

To Debtors A/c

(Being bad debts written off)

यदि व्यापारी द्वारा पिछले वर्षों में डूबत या संदिग्ध ऋणों के लिए आयोजन नहीं किया गया हो और चालू वर्ष में राशि डूब जाये तो ऐसी दशा में उपरोक्त (ii) प्रविष्टि कर दी जाती है और वर्ष के अन्त में डूबत ऋण खाते के शेष लाभ–हानि खाते में हस्तान्तरित कर दिया जाता है परन्तु यदि व्यापारी द्वारा संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान किया गया है तो डूबत ऋण होने पर उपरोक्त (ii) प्रविष्टि करने के पश्चात् डूबत ऋण को संदिग्ध ऋण प्रावधान खाते में निम्नलिखित प्रविष्टि द्वारा हस्तांतरित कर दिया जाता है ।

(iii) डूबत ऋण का हस्तांतरण करने पर –

Provision for Doubtful Debts A/c Dr.

To Bad Debts A/c

(Being Bad Debts account transferred)

यदि इस डूबत ऋण की राषि संदिग्ध ऋण प्रावधान खाते में विद्यमान शेष से अधिक भी है तो भी उसे इसी खाते में हस्तान्तरित किया जाता है और वर्ष के अन्त में जितने प्रावधान की आवश्यकता हो वह राशि तथा गतवर्षो के प्रावधान पर डूबत ऋणो के अपलेखन का जो आधिक्य हो उनका योग लाभ–हानि खाते में उपरोक्त प्रविष्टि (i) के द्वारा लिखा जायेगा। यदि वर्ष के प्रारम्भ में संदिग्ध ऋणों के प्रावधान की राषि से भी कम राशि की चालू वर्ष डूबत ऋण तथा संदिग्ध ऋणो के लिए प्रावधान की आवश्यकता हो तो अन्तर की राशि निम्नलिखित प्रविष्टि द्वारा लाभ–हानि खाते में हस्तांतरित कर दी जायेगी–

(iv) प्रावधान के आधिक्य को हस्तांतरित करने पर –

Provision for Doubtful Debts A/c Dr.

To Profit and Loss A/c

(Being excessive provision of doubtful debts transferred)

(v) यदि गतवर्षो में अपलिखित किये गये डूबत ऋणों की चालूवर्ष में वसूली हो जाय तो उनके लिए निम्नलिखित प्रविष्टि की जाती है:–

Cash / Bank A/c Dr.

To Bad Debts Receovered A/c

(Being bad debts receovered)

प्राप्त डूबतऋण खाते को वर्ष के अन्त में निम्नलिखित प्रविष्टि द्वारा लाभ–हानि खाते में हस्तांतरित कर दिया जाता है –

Bad Debts Recovered A/c Dr.

To Profit and Loss A/c

(Being bad debts recovered transferred)

परीक्षा प्रश्नपत्रों में परीक्षक विद्याथ्रियों की भाषा सम्बंधी निपुणता जाँचने की दृष्टि से कुछ तकनीकी शब्दावली काम में ले लेता है। ऐसी स्थिति में देनदारो पर बनाये जाने वाले संदिग्ध ऋण प्रावधान का सीधा–सीधा प्रतिशत न देकर इस प्रावधान को उस प्रतिशत से बढाने या तक बढ़ाने जैसे शब्द काम मे ले लेता है। ऐसे शब्दो से भ्रमित होने की आवश्यकता नहीं हैं। यहां "से बढ़ाने" (Increased by) का अभिप्राय उस प्रतिशत के बराबर राशि चालू

वर्ष के अंत में लाभ–हानि खाते में से डूबत एवम् संदिग्ध ऋण प्रावधान खाते में हस्तान्तरित करने से है । इसी प्रकार तक बढाने से आशय इस प्रावधान खाते का शेष उस प्रतिशत के बराबर रखने से है और अन्तर की राशि लाभ–हानि खाते से इस आयोजन खाते में हस्तांतरित करनी होती हैं। इस समायोजन का अंतिम खातो पर यह प्रभाव होता है कि प्रावधान बनाया जाता हैं उसे लाभ–हानि खाते के नाम पक्ष में प्रदर्शित किया जाता है तथा चिट्ठा बनाते समय इस प्रावधान को चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दिखाये जाने वाले देनदारों में से घटाकर प्रदर्शित किया जाता है।

यहां यह बात महत्वपूर्ण है कि यदि डूबत ऋण तलपट में दिये हो तब तो उनका उपर्युक्त परिस्थितियों के अनुसार लेखा हो जायेगा परन्तु तलपट के बाद यह लिखा हो कि देनदारों में से अमुक राशि और अपलिखित करनी है तो पहले उसका लेखांकन किया जायेगा और उसके बाद शेष बचे देनदारों पर ही संदिग्ध ऋणो के लिए आयोजन बनाया जायेगा।

उदाहरण (Illustration) : 5

31 मार्च 2010 को व्यापारी के तलपट में देनदार 1200 रू. के थे। वर्ष के प्रारम्भ में डूबत ऋण एंव संदिग्ध ऋण खाते का शेष 35 ₹ था वर्ष में 50 ₹ डूबत ऋण अपलिखित किये गये। व्यवसायी देनदारो पर 5% की दर से डूबत एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान बनाता है। उक्त समायोजन के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टि कीजिये, खाता बही में खतौनी एवं अंतिम खातों में दिखाइये।

(On 31st March 2010 The Trial Balance of a Trader show Debtors amounting to ₹ 1200 and at the beginning of the year, the balance of bad and doubtful debts ₹ 35. during the year bad debts writtenoff amounting to ₹ 50. The trader creates a provison for bad and doubtful debts 5% on debtors. Make necessary journal entry for above adjustment, post them into ledger and show them in final accounts)

हल (Solution) :

Journal proper

Date	Particulars	L.F.	Amount ₹ (Dr.)	Amount ₹ (Cr.)
31-03-2010	Provision for Bad and Doubtful Debts A/c Dr. To Bad Debts A/c (Being Bad Debts transfer to Provision for Bad and Doubtful debts account)		50	50
31-03-2010	Profit and Loss A/c Dr. To Pro. For Bad and Doubtful Debts A/c (Being new Provision made)		75	75

Bad Debts Account

Date	Particulars	L.F.	Amount ₹	Date	Particulars	L.F.	Amount ₹
31-03-10	To sundry Deb. A/c		50	31-03-10	By Prov. For Bad and Doubtful Debts A/c		50
			50				50

Provision for Bad and Doubtful Debts Account

Date	Particulars	L.F.	Amount ₹	Date	Particulars	L.F.	Amount ₹
31-03-10	To Baddebts A/c		50	01-01-10	By Balance b/d		35
	To Balance c/d		60	31-03-10	By P&L A/c		75
			110				110

Profit and Loss Account for the year ending 31 March 2010

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹

To Provison for Bad and Doubtful Debt				
Or	₹			
To Bad Debts	50			
Add: New Prov. For Bad&doubtful Debts	60			
	110			
Less : Old Provision	35	75		

Balance Sheet ason 31 March 2010

Liabilites	Amount ₹	Assets		Amount ₹
		Debtors	1200	
		Less: New Provision	60	1140

उदाहरण (Illustration) : 6

एक जनवरी 2010 को भोपाल एण्ड कम्पनी के निम्नलिखित शेष थे – विविध देनदार 6000 ₹. तथा डूबत एवं संदिग्ध ऋण प्रावधान 300 ₹, 31 दिसम्बर 2010 को समाप्त होने वाले वर्ष में भोपाल एण्ड कम्पनी ने 1 लाख 50 हजार ₹ का उधार माल बेचा । देनदारो ने 500 ₹. का माल लौटाया । देनदारो से 1लाख 20 हजार ₹ रोकड़ प्राप्त हुए । इन्हे 200 रू. का बट्टा दिया । इनसे 20 हजार की स्वीकृतियां प्राप्त हुई तथा फर्म देनदारो से 500 ₹. वसूल नहीं कर सकी। 31 दिसम्बर 2010 को देनदारो पर 5 प्रतिशत संदिग्ध ऋणो के प्रावधान करने का निश्चय किया। आप भोपाल एण्ड कम्पनी की बहियो में विविध देनदार खाता तथा संदिग्ध ऋण प्रावधान खाता बनाइये।

On 1st Jan 2010, Bhopal & co. had the following Balance Sundry Debtos Rs.6000 and Provision for Doubtful Debts ₹ 300. During the year ended 31st Dec. 2010. Bhopal & co. sold goods on Credit amounting to ₹ 1,50,000. During the year, Debtors returned goods valuing ₹ 500 Collected from Debtors in Cash ₹ 1,20,000 allowed them discount ₹ 200 and received from them acceptance amounting to ₹ 20,000. The firm could not collect ₹ 500 from the Debtors and decided to create a provision for Doubtful Debts @5% on Debtors on 31st December 2010. You are required to show the Sundry Debtors Account and Provision for Doubtful Debts Account in the Books of Bhopal & Company.

हल (Solution) :

Dr. Sundry Debtors Account Cr.

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2010			2010		
1 Jan.	To Balance b/d	6,000	1st Jan to 31st Dec.	By Sales Return A/c	500
1st Jan to 31st Dec.	To Sales a/c	1,50,000	1st Jan to 31st Dec	By Cash A/c	1,20,000
			1st Jan to 31st Dec	By Discount A/c	200
			1st Jan to 31st Dec	By B/R A/c	20,000
			1st Jan to 31st Dec	By Bad Debts A/c	500
			1st Jan to 31st Dec	Balance c/d	14,800
		1,56,000			1,56,000

Dr. **Provision for Doubtful Debts Account** **Cr.**

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2010			2010		
31 Dec.	To Bad debts A/c	500	1 Jan.	By Balance b/d	300
31Dec.	To Balance c/d	740	31 Dec.	By P & L A/c	940
	(5% on 1,48,000)	1,240			1,240
			1 Jan.2011	By Balance b/d	740

उदाहरण (Illustration) : 7

एक व्यापारी के तलपट में निम्न सूचनाऐ दी गयी है। (The following information are given in a Trial Balance of a Trader)

संदिग्ध ऋण के लिए आयोजन (1 जनवरी 2010) 8000
(Provision for Doubtufl Debts on 1 Jan. 2010)

डूबतऋण (Bad Debts) 4000

डूबतऋण वसूली (Bad Debts recovered) 500

देनदार (अच्छे देनदार 10,000 रू. सहित) 51000
(Debtors including good debtors Rs. 10,000)

अन्य सूचनाये (Other Information) :

1000 रू'. अतिरिक्त डूबतऋण लिखिए। संदिग्ध ऋण के लिए संदिग्ध देनदारो पर 5% की दर से आयोजन बनाइए। (Write of further bad debts Rs.1000 make provision for doubtful debts @ 5% on doubtful debts) उपयुक्त मदो के लिए आवश्यक समायोजन जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए एवं संदिग्ध ऋण आयोजन खाता बनाइए। (विवरण आवष्यक नहीं) (Pass Adjustment journal entries and prepare provision for Doubtful Debts Account for the above item (Narration is not needed)

(मा.शि.बोर्ड, राज. 2002)

हल (Solution) :

Journal Proper

Date	Particulars	L.F.	Amount (Dr.) ₹	Amount (Cr.) ₹
31-12-2010	Bad Debts A/c Dr.		1,000	
	To Debtors A/c			1,000
31-12-2010	Bad Debts Recovered A/c Dr.		500	
	To P & L A/c			500
31-12-2010	Provision for Doubtful Deb. A/c Dr.		5,000	
	To Bad Debts A/c			5,000
31-12-2010	Provision for Doubtful Debts A/c Dr.		1,000	
	To P & L A/c			1,000

नोट :– यदि डूबतऋण वसूली को संदिग्ध ऋण प्राावधान खाते में हस्तांतरित किया जाय तो भी लाभ हानि खाते पर एक जैसा प्रभाव ही पड़ेगा। चिट्ठा बनाते समय देनदारो में से संदिग्ध ऋण प्रावधान खाते का शेष ही घटाया जाता है, लाभ हानि खाते में लिखी गई राषि नही।

Provision for Doubtful Debts Account

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
31-12-2001	To Bad Debts A/c	5,000	01-01-2001	By Balance b/d	8,000
31-12-2001	To P & L A/c (B/F)	1,000			
31-12-2001	To Balance (C/d)	2,000			
		8,000			8,000
			01-01-2002	By Balance (bd)	2,000

नोट – कुल देनदार 51,000 ₹ के हैं। इसमे से 10,000 ₹ के देनदार अच्छे है जिन पर प्रावधान बनाने की आवश्यकता नही हैं तथा 1,000 ₹ अतिरिक्त डूबतऋण के अपलिखित किये हैं। अतः शेष देनदारों 51,000–10,000–1,000) = 40000 रू. पर 5% प्रावधान 2,000 रू. का बनाया गया है।

उदाहरण (Illustration) : 8

1 जनवरी, 2010 को मैसर्स एक्स कम्पनी के पास डूबतऋण प्रावधान 1200 ₹ था। वर्ष 2010 में डूबत ऋण 200 ₹ के थे। 31 दिसम्बर 2010 को देनदार 25000 के थे। व्यापारी द्वारा डूबतऋण के लिए 5% के बराबर प्रावधान रखा जाता है। अब 2011 तथा 2012 के लिए डूबतऋण क्रमशः 1400 रू. तथा 500 रू. के थे। 31 दिसम्बर, 2011 तथा 2012 को देनदार क्रमशः 30,000 तथा 15,000 ₹ के थे। एक्स एण्ड कम्पनी की बहियो में आवश्यक खाते बनाइये तथा इन्हे वर्ष 2010 से 2012 के लाभ–हानि खातो तथा चिट्ठो में किस प्रकार दर्शाया जायेगा।

(On 01-01-2010 M/s X & Co. has Provision for Bad Debts of ₹ 1200. The bad debts during the year 200 amounting to ₹ 200. The Debtors as at 31.12.2010 were 25000. Provision for Bad Debts @ 5% is maintained by Business. Bad Debts during 2011 and 2012 were ₹ 1400 and Rs.500 respectively. The Sundry Debtors as at 31.12.2011 and 31.12.2012 were Rs.30000 and Rs.15000 respectively).

Prepare necessary Ledger Accounts in the books of M/s X & Co. also show now these would appear in the Profit and Loss Account and Balance Sheet for the year 2011 to 2012.

हल (Solution) :

Dr. **Provision for Doubtful Debts Account** **Cr.**

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
31 Dec. 2010	To Bad debts A/c	200	1 Jan. 2010	By Balance b/d	1,200
31 Dec. 2010	To Balance c/d	1250	31 Dec. 2010	By P & L A/c	250
		1,450			1,450
31 Dec.2011	To Bad debts A/c	1,400	1 Jan.2011	By Balance b/d	1250
31 Dec. 2011	To Balance c/d	1,500	31 Dec. 2011	By P&L a/c (b/f)	1650
		2,900			2,900
31 Dec. 2012	To Bad debts A/c	500	1 Jan. 2012	By Balance b/d	1,500
31 Dec. 2012	To P&L a/c (b/f)	250			
31 Dec. 2012	To Balance c/d	750			
		1,500			1,500
				By Balance b/d	750

Profit and Loss Account for the Year ending 31-Dec.2010

Particulars		Amount ₹	Paritculars	Amount ₹
To Bad Debts	200			
Add: New Provision for Bad Debts	1250			
	1450			
Less: Old Provision	1200	250		

Profit and Loss Account for the Year ending 31-Dec.2011

Particulars		Amount ₹	Paritculars	Amount ₹
To Bad Debts	1,400			
Add: New Provision for Bad Debts	1,500			
	2,900			
Less: Old Provision	1,250	1650		

Profit and Loss Account for the Year ending 31-Dec.2012

Particulars	Amount ₹	Paritculars		Amount ₹
		By Provision for Bad debts	1,500	
		Less: Bad debts	500	
		Less : New Provision	750	
			1,250	250

Balance Sheet ason 31 March 2010

Liabilites	Amount ₹	Assets		Amount ₹
		Debtors	25,000	
		Less: Provision for Baddebts	1,250	23,750

Balance Sheet ason 31 March 2011

Liabilites	Amount ₹	Assets		Amount ₹
		Debtors	30,000	
		Less: Provision for Baddebts	1,500	28,500

Balance Sheet ason 31 March 2012

Liabilites	Amount ₹	Assets		Amount ₹
		Debtors	15,000	
		Less: Provision for Baddebts	750	14,250

8. देनदारो पर बट्टे के लिए आयोजन (Provision for Discount on Debtors)

व्यापारी द्वारा उधार बेचे गये माल का भुगतान जल्दी प्राप्त करने के दृष्टि से देनदारों को नकद बट्टा प्रदान दिया जाता है। यह बट्टा व्यापार के लिए हानि होता है। यह बट्टा देनदारों को उसी स्थिति में प्रदान किया जाता है जबकि वे व्यापारी द्वारा निर्धारित अवधि में भुगतान कर दे। अतः वर्ष के अन्त में जितने भी देनदार होते है उनमें से कुछ देनदार ऐसे भी हो सकते है। जिनके भुगतान करने की निर्धारित तिथि अगले लेखा वर्ष में आयेगी। अतः ऐसे देनदारो को दिये जाने वाले बट्टे का प्रावधान न बनाया जाय तो इस वर्ष से सम्बंधित आय की हानि इसी वर्ष में न लेखांकित होने से लाभ–हानि खाता व्यापार की सही लाभ की स्थिति तथा चिट्ठा व्यापार की सही आर्थिक स्थिति प्रदर्षित नहीं करेगा।

इसका लेखांकन निम्नलिखित प्रकार किया जाता है–

(1) देनदारो को बट्टा देने पर :–

Discount A/c Dr.
To Debtors A/c
(Being discount allowed to debtors)

(2) देनदारो पर बट्टे के लिए आयोजन बनाने पर :–

Profit and Loss A/c Dr.
To Provision for Discount on Debtors A/c
(Being provision for discount made)

यदि गतवर्ष का बट्टा आयोजन खाते का शेष है तब तो चालू वर्ष में देनदारों को दिया गया बट्टा देनदारो पर बट्टे का आयोजन खाते में हस्तांरित कर दिया जायेगा परन्तु इस आयोजन का शेष न होने की दशा में चालू वर्ष में देनदारों को दिया गया बट्टा लाभ–हानि खाते में हस्तांतरित कर दिया जायेगा। इसके लिए निम्नलिखित लेखा प्रविष्टियां की जाती हैं:–

(3) बट्टे खाते को देनदारों पर बट्टा आयोजन खाते में हस्तांतरित करने पर :

Provision for Discount on Debtors A/c Dr.
To Discount A/c
(Being discount transferred)

(4) यदि पिछले वर्ष में बट्टा का आयोजन बना हुआ न हो:–

Profit and Loss A/c Dr.
To Discount Ac/
(Being discount transferred)

यदि बट्टा आयोजन खातो का प्रारंभिक शेष इतनी अधिक राषि का हो कि चालू वर्ष मं दिया गया बट्टा तथा चालू वर्ष के अन्त में आवश्यक देनदारो पर बट्टा आयोजन की राशि से भी वह अधिक हो तो उसे लाभ–हानि खाते में हस्तांतरित कर दिया जाता है। इसके लिए निम्नलिखित लेखांकन किया जाता है

(5) बट्टा आयोजन खाते का अधिक शेष होने पर उसका लाभ–हानि खाते में हस्तांतरण:–

Provision for Discount on Debtors A/c Dr.
To Profit and Loss A/c
(Being excessive Provision transferred)

यह स्थिति उसी दशा में उत्पन्न होती है जबकि गतवर्ष के देनदार समय पर भुगतान न कर सकते हो जिससे उन्हें बट्टा नहीं दिया गया हो और चालूवर्ष के अन्त में ऐसे देनदार बहुत कम हो जिन्हे निर्धारित समय सीमा में भुगतान करने पर बट्टा दिया जाता है। देनदारो पर बट्टे के आयोजन की राशि ज्ञात करते समय ध्याान देने योग्य बात है कि यदि तलपट के नीचे अन्य सूचनाओं में देनदारों में और धनराशि डूबने तथा संदिग्ध ऋणो के लिए शेष देनदारों (कुल देनदारो) में से अन्य सूचनाओ में लिखाी डूबत ऋण की राशि घटाने के बाद शेष देनदारों पर आयोजन करने का लिखा हो तो तलपट में दिये गये देनदारों मे से यह डूबत ऋण आयोजन की राशि घटाने केबाद जो देनदार बचेंगे उन पर ही बट्टे के लिए प्रावधान किया जायेगा। बट्टे के प्रावधान का समायोजन एक तरफ लाभ–हानि खाते के नाम पक्ष में किया जायेगा। तथा दूसरा चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में देनदारो में से संदिग्ध ऋणो का प्रावधान घटाने के पष्चात् इसे (बट्टे के प्रावधान को) भी घटाकर दिखायेंगे ।

उदाहरण (Illustration) : 9

एक व्यापारी के तलपट से 31 मार्च 2010 को निम्न सूचनाऐं प्राप्त हुई
(Following informations received from a trial balance of a trader on 31st March, 2010)

देनदार (Debtors)	₹ 3,000
देनदारो पर बट्टा आयोजन (Provision for Discount on Debtors)	30
बट्टा दिया (Discount allowed)	80

देनदारो पर 3% बट्टा आयोजन बनाइये। समायोजन प्रविष्टियां दीजिए एवं अंतिम खातो पर प्रभाव बताइये।
Make 3% Provision for Discount on Debtors Give adjustment entries. Ledger accounts & show them in Final Account.

हल (Solution)

Journal

Date	Particulars	L.F.	Amount (Dr.) ₹	Amount (Cr.) ₹
31-03-10	Provision for Discount on Debtors A/c Dr. To Discount A/c (Being discount allowed transfer)		80	80
31-03-10	Profit & Loss A/c Dr. To Provision for Discount on Debtors A/c (Being Balances transferred)		140	140

Discount Allowed Account

Date	Particulars	L.F.	Amount ₹	Date	Particulars	L.F.	Amount ₹
31-03-10	To Debtors		80	31-03-10	By Provision for Discount		80
			80				80

Provision for Discount on Debtors Account

Date	Particulars	L.F.	Amount ₹	Date	Particulars	L.F.	Amount ₹
31-03-10	To Debtors		80	31-03-10	By Balance b/d		30
	To Balance c/d		90	31-03-10	By P & L A/c		140
			170		(Balancing figure)		170

Profit and Loss Account for the year ending 31st March, 2010

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Discount	80			
Add: New Provision for Discount on Drs.	90			
	170			
Less: Old Prov. for Dis.on Drs.	30			
		140		
		140		

Balance as on 31st March, 2010

Liabilites	Amount ₹	Assets		Amount ₹
		Debtors	6000	
		Less: Pro. For Dis on Drs.	90	5910

9. प्रबंधक को पारिश्रमिक (Commission to General Manager)

जो व्यक्ति व्यवसाय का प्रबंध करते हैं उन्हे नियोक्ता द्वारा वेतन के अतिरिक्त शुद्ध लाभों पर भी निश्चित दर से पारिश्रमिक दिया जा सकता है। नियोक्ता द्वारा इस प्रकार का प्रलोभन देने का एक कारण यह भी होता है कि प्रबंधक व्यवसाय की लाभार्जन क्षमता से स्वयं को जुड़ा हुआ महसूस करे तथा लाभार्जन क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दे। इस प्रकार पारिश्रमिक की गणना तब तक नही की जा सकती है जब तक कि अंतिम खाते न बनाये जाये। इस समायोजन का प्रभाव ठीक वैसा ही पड़ेगा जैसा कि अदत्त एवं उपार्जित व्यय होता है। इसके लिए निम्नलिखित लेखा प्रविष्टि की जाती है–

Manager Commission A/c Dr.

To Outstanding Manager Commission A/c

(Being commission payable to Manager)

मैनेजर कमीषन का नाम शेष लाभ–हानि खाते में हस्तांतरित कर दिया जाता है तथा बकाया मैनेजर कमीशन का जमा शेष चिट्ठे के दायित्व पक्ष में दिखाया जाता है। इस कमीशन की गणना दो प्रकार से की जाती है। यदि प्रश्न में भाषा इस तरह की प्रयोग की गई हो जिससे यह स्पष्ट होता है कि लाभ में शुद्ध लाभ तथा स्वंय मैनेजर का कमीशन दोनो भाामिल है अर्थात् भाुद्ध लाभ या कमीशन वसूल करने के बाद के लाभ पर निश्चित दर से कमीशन देना है तो कमीशन की गणना निम्नलिखित प्रकार से की जायेगी–

(कमीशन वसूल करने से पूर्व का लाभ ग कमीशन की दर प्रतिशत में)

कमीशन = ----------

(100 कमीशन की दर प्रतिशत में)

यदि भाषा से यह स्पष्ट हो कि कमीशन लाभ पर ही देना है न कि शुद्ध लाभ की राशि ज्ञात कर उस पर निर्धारित दर से कमीशन दे दिया जायेगा और शेष राशि शुद्ध लाभ होती है। इस दशा में कमीशन की गणना निम्नलिखित प्रकार से होगी –

(कमीशन वसूल करने से पूर्व का लाभ ग कमीशन की दर प्रतिशत में)

कमीशन = ----------

100

उदाहरण (Illustration) : 10

मैनेजर को शुद्ध लाभ (कमीशन घटााने के बाद) पर 10% कमीशन देना है। कमीशन घटाने से पूर्व शुद्ध लाभ 55,000 रू. है। कमीशन के लिए समायोजन प्रविष्टि दीजिये। (A Manager is to be allowed 10% commission on net Profit) (After charging such commission). The net profit before charging commission is Rs.55000. Pass adjustment entry for commission)

हल (Solution):-

Journal Proper

Date	Particulars	L.F.	Amount (Dr.) ₹	Amount (Cr.) ₹
End of accounting year	Manager Commission A/c Dr. To Outstanding Manager Comm. A/c (Being Manager commission Outstanding)		5000	5000

उदाहरण (Illustration) : 11

जनरल मैनेजर को 10 प्रतिशत कमीशन शुद्ध लाभ (कमीशन घटाने के बाद) पर दिया जाना है। कमीशन घटाने से पूर्व शुद्ध लाभ 41,140 ₹ है। कमीशन के लिए समायोजन प्रविष्टि दीजिये एवं अंतिम खातो में प्रभाव बताइये। (General Manager is to be allowed 10% commission on net profit after charging such commission). The net profit before charging commissionis ₹ 41,140. Pass adjustment entry and show effect on final account.

Journal Proper

Date	Particulars	LF.	Amount (Dr.) ₹	Amount (Cr.) ₹
End of accounting year	General Manager Commission A/c Dr. To Outstanding Gen.Manager Comm. A/c (Being General Manager commissionOutsanding)		3740	3740

Profit and Loss Account for the year ending……

Date	Particulrs	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
	To Gen. Manag. Comm. A/c	3740			

$$\text{कमीशन} = \frac{41,140 \times 10}{110} = \text{Rs. } 3,740$$

Balance Sheet as on ……

Liabilites	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Outstanding General Manager Commission	3740		

यदि इस उदाहरण में केवल यह लिखा होता कि मैनेजर को लाभ पर 10% कमीशन दिया जाना है तो कमीशन की राशि निम्नलिखित होती –

$$\text{कमीशन} = \frac{41,140 \times 10}{100} = \text{Rs. } 4,114$$

10. पूँजी पर ब्याज (Interest on Capital)

लेखा वर्ष के अन्त में व्यापारी व्यापार का लाभ–हानि खाता बनाकर लेखा वर्ष का लाभ ज्ञात करता है। व्यापारी द्वारा व्यापार में पूँजी लगायी जाती है जिसके प्रयोग से लाभ अर्जित होता है। यदि यही पूँजी व्यापारी द्वारा अन्य व्यक्तियो या वित्तीय संस्थाओ से उधार ली जाती तो उस पर ब्याज का भुगतान करना पड़ता। अतः यदि व्यापारी यह भी जानना चाहे कि पूँजी पर ब्याज देना पड़े तो ब्याज का भुगतान करने के पश्चात् कितना लाभ शेष बचता तो वह पूँजी पर ब्याज का समायोजन करता है। पूँजी पर ब्याज व्यापार के लिए व्यय न होकर लाभों का नियोजन है जिसे अंतिम खाते बनाते समय लाभ – हानि नियोजन खाते के नाम पक्ष में दिखाया जाता है और ब्याज की राशि व्यापारी की पूँजी में जोडकर पूँजी को चिट्ठे के दायित्व पक्ष में दिखाया जाता है। इसके लिए निम्नलिखित लेखा प्रविष्टि की जाती है:–

Interest on Capital A/c Dr.
To Capital A/c
(Being intereset on Capital Charged)

समायोजन सारांष एक नजर में

क्र. स.	समायोजन का नाम	निर्माण एवं व्यपार खाता	लाभ – हानि खाता	चिट्ठा
1	वर्ष के अन्त का रहतिया	कच्चे माल तथा चालू कार्य (WIP) का रहतिया, निर्माण खाते में तथा तैयार माल का रहतिया व्यापार खाते के जमा पक्ष में लिखा जाता है ।		कच्चा माल, चालू कार्य या अर्द्ध निर्मित माल तथा निर्मित माल का रहतिया चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दर्षाया जाता है।
2	बकाया व्यय/ उपार्जित व्यय	जे व्यय निर्माण एवं व्यापार खाते से सम्बंधित है उन्हे इस खाते के नाम पक्ष में सम्बंधित मद की राशि में जोड़कर दिखाते है।	जो व्यय लाभ – हानि खाते से सम्बंधित है उन्हे लाभ – हानि खाते के नाम पक्ष में सम्बंधित मद की राशि में जोड़कर दिखाते है।	बकाया/ उपार्जित व्यय खाते का शेष चिट्ठे के दायित्त्व पक्ष में दिखाया जाता है।
3	पूर्वदत्त व्यय	जो व्यय निर्माण एवं व्यापार खाता से सम्बंधित है उन्हे इस खाते के नाम पक्ष में सम्बंधित व्यय की मद में से घटाकर दिखायेगे ।	जो व्यय लाभ – हानि खाते से सम्बंधित है उन्हे इस खाते के नाम पक्ष में सम्बंधित व्यय की मद में से घटाकर दिखायेगे	पूर्वदत्त व्यय खाते का शेष चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दिखाया जाता है।
4	अदत्त / उपार्जित आय		यह आय लाभ – हानि खाते के जमा पक्ष में सम्बंधित आय की मद में जोड़कर दिखायेगे	अदत्त/ उपार्जित आय खाते का शेष चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दिखाया जायेगा।

5	अनुपार्जित आय		यह आय लाभ – हानि खाते के जमा पक्ष में सम्बंधित आय की मद में से घटाकर दिखायेगे	अनुपार्जित आय खाते का शेष चिट्ठे के दायित्व पक्ष में दिखाया जाता है।
6	मूल्यह्रास	निर्माण से सम्बंधित मशीनो का ह्रास निर्माण खाते के नाम पक्ष में दिखाया जाता है।	उत्पादन में प्रत्यक्ष रूप से काम न आने वाली सम्पत्तियो का ह्रास लाभ – हानि खाते के नाम पक्ष में दिखाया जाता है।	मूल्य ह्रास की राशि चिट्ठे के सम्पत्ति में सम्बंधित सम्पत्ति पक्ष में से घटाकर दिखायेगे।
7	कारखाना / मुख्य प्रबंधक को कमीशन	कारखाना प्रबंधक को कमीशन निर्माण/व्यापार खाते के नाम पक्ष में दिखाया जाता है।	मुख्य प्रबंधक को कमीशन लाभ – हानि खाते के नाम पक्ष में दिखाया जाता है।	कारखाना मुख्य प्रबंधक को देय कमीषन खाते का शेष चिट्ठे के दायित्त्व पक्ष में दिखाया जाता है।
8	डूबतऋण	डूबतऋण को लाभ – हानि खाते के नाम पक्ष में दिखाया जाता है।		इसे लाभ – हानि खाते के नाम पक्ष में तथा चिट्ठे के देनदारो में से घटाकर दिखाया जाता है।
9	संदिग्ध ऋणो के लिए आयोजन		चालू वर्ष में किया जाने वाला संदिग्ध ऋणो का आयोजन लाभ – हानि खाते के नाम पक्ष में दिखाया जाता है।	इस आयोजन खाते का शेष चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में देनदारो में से घटाकर दिखाया जाता है।
10	देनदारा पर बट्टे के लिए प्रावधान		चालू वर्ष में किया जाने वालो देनदारो पर बट्टे का आयोजन लाभ – हानि खाते के नाम पक्ष में दिखाया जायेगा ।	इस आयोजन खाते का शेष चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में देनदारो में से घटाकर दिखाया जाता है।
11	पूँजी पर लाभ		इसे लाभ – हानि खाते के नाम पक्ष में दिखाया जायेगा।	इसे चिट्ठे के दायित्व पक्ष में (यदि पूँजी खाते का जमा शेष है) पूँजी में से जोड़कर दिखाया जाता है।

उदाहरण (Illustration) : 12

निम्नलिखित शेषों से एक व्यापारी का व्यापार खाता 31 मार्च, 2010 का बनाइए (From the following balance trading account of a trader on 31st March 2010)

रहतिया (Stock on 01-04-2009) 15,000, क्रय (Purchase), नकद (Cash) 50,000 उधार (Credit) 60,000, विक्रय (Sales) 125,000, मजदूरी (Wages) 10,000, क्रय वापसी (Purchase Return) 4,000, विक्रय वापसी (Sales Return) 3,000, आवक भाड़ा (Carriage Inwards) 2,000, वेतन (Salary) 5,000, स्टेषनरी (Stationery) 500, दान (Donation) 300, कारखाना किराया (Factory Rent) 2,400

अन्य सूचनाए :–

(1) रहतिया 31.03.2010 को 38,000 ₹ था। (Stock on 31.03.2010 was Rs.38,000)

(2) 1000 रू. का माल व्यक्तिगत उपयोग के लिए व्यापार से निकाला। (Goods worth Rs.1000 withdrawn for Personal use)

(3) कारखाना किराया 1 जनवरी 2010 को एक वर्ष के लिए चुकाया गया। (Factory Rent paid on 01 Jan. 2010 for a year)

(4) मजदूरी के 500 ₹ एवं भाड़े के 300 ₹ अदत्त है। (Wages Rs.500 and Frieght Rs.300 outstanding)

हल (Solution) :–

Trading Account for the year ending 31st March 2010

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Stock		15,000	By Sales	1,25,000	
To Purchase			Less Sales Return	3,000	1,22,000
Cash	50,000		By Stock		38,000
Credit	60,000				
	1,10,000				
Less: Purchase Return	4,000				
	1,06,000				
Less: Drawings	1,000	1,05,000			
To Wages	10,000				
Add: Outstanding	500	10,500			
To Carriage Inwards	2,000				
Add: Outstanding	300	2,300			
To Factory Rent	2,400				
Less Prepaid Rent	1,800	600			
To Profit & Loss A/c		26,600			
(Gross profit transferred)		1,60,000			1,60,000

उदाहरण (Illustration) : 13

पूजा एण्ड कम्पनी की पुस्तको से 31 मार्च 2010 को निम्न शेष प्राप्त हुये

(Following balances entracted from Pooja & Company on 31st March 2010)

वेतन (Salary) 2500, अंकेक्षण फीस (Audit Fees) 2,000, व्यापार खाते का जमा शेष (Credit Balance of Trading A/c) 12,500, बीमा (Insurance premium) 2,000, ब्याज प्राप्त (Interest Received) 750, किराया (Rent) 400, बट्टा प्राप्त (Discount Received) 200, स्टेषनरी (Stationery) 1,000, भवन (Building) 20,000, फर्नीचर (Furniture) 2,000, डूबत ऋण (BadDebts) 750, संदिग्ध ऋण आयोजन (Provision for Bad -Debts) 600, मरम्मत (Repair) 400, जावक गाड़ी भाड़ा(Carriage Outward) 250, देनदार (Debtors) 17,500

अन्य सूचनाएं (Other Information) :–

1. वेतन के 1000 ₹ एवं अंकेक्षण शुल्क के 500 ₹ बकाया है। (Salary Rs.1,000 and audit Fee Rs.500 is outstanding).
2. भवन पर 10% प्रतिवर्ष एवं फर्नीचर पर 5% प्रतिवर्ष ह्रास लगाइए। (Depreciation on Building 10% p.a. and 5% p.a. on Furniture).
3. देनदारो पर 5% की दर से डूबतऋण प्रावधान बनाइये।(Make 5% Provision for Bad Debts on Debtors).
4. 500 ₹ का माल दान में दिया। (Goods ₹ 5,000 given away charity).
5. किराया 8 माह का चुकाया गया। (Rent paid for 8 Months)
6. स्टेषनरी का स्टॉक 200 रू. है। (Stock of stationery is ₹ 200)
7. ब्याज के 300 ₹ उपार्जित है। (Interest accured ₹ 300)
8. बीमा के 1200 ₹ अग्रिम चुकाये। (Insurance ₹1200 Paid in Advance)

उपरोक्त सूचनाओं के आधार पर पूजा एण्ड कं. का लाभ हानि खाता 31 मार्च 2010 को बनाइऐ ।

(on the basis of above information prepare Profit & Loss account of Pooja & Co. on 31st March 2010)

हल (Solution) :–

Dr. Profit & Loss account for the year ending 31st March 2010 Cr.

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Salaries	2,500		By Trading A/c		12,500
Add: Outstanding	1,000	3,500	By Interest	750	
To Audit Fees	2,000		Add: Accured Outstanding	300	1,050
Add Outstanding	500	2,500	By Discount		200
To Insurance Premium	2,000				
Less Prepaid	1,200	800			
To Rent	400				
Add: Outstanding	400	800			
To Stationery	1,000				
Less Stock at the end	200	800			
To Provision for Bad Debts		1,025			
To Carriage outward		250			
To Repair		400			
To Charity		500			
To Depreciation					
Building	2,000				
Furniture	100	2,100			
To Capital A/c					
(Net Profit transferred)		1,075			
		13,750			13,75013

Dr. Provision for Doubtful Debts Account Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Paritculars	J.F.	Amount ₹
	To Bad Debts		750		By Balance b/d		600
	To Balance c/d		875		By P & L (B/f)		1,025
			1,625				1,625

उदाहरण (Illustration) : 14

निम्नलिखित तलपट 31 मार्च 2010 का है (The following trial balance as on 31st March 2010)

Name of Ledger Account	Amount (Dr.) ₹	Amount (Cr.) ₹
रहतिया (Stock)	3,590	
बैक में नकद (Bank in hand)	2,470	
रोकड हस्ते (Cash in Hand)		160
जावक गाड़ी भाड़ा (Carriage Outward)	1,520	
फर्नीचर (Furniture)	4,860	
देय विपत्र (Bills Payable)		4,580
भाड़ा (Freight)	1,240	
वापसी (Return)	2,590	1,090
बट्टा प्राप्त (Discount Received)		520
विक्रय (Sales)		61,270
कमीशन (Commission)		1,150

प्राप्त विपत्र (Bills Receivable)	6,530	
आवक गाड़ी भाड़ा (Carriage inward)	1,490	
यंत्र एवं मशीनरी (Plant and Machinery)	8,560	
विनियोग (Investment)	2,240	
लेनदार (Creditors)		6,000
वेतन (Salaries)	1,350	
भवन (Building)	10,500	
आहरण (Drawings)	200	
पूँजी (Capital)		2,25,000
क्रय (Purchase)	34,000	
मजदूरी (Wages)	6,580	
बट्टा दिया (Discount allowed)	650	
देनदार (Debtors)	8,580	
	97,110	97,110

व्यापार खाता, लाभ – हानि खाता एवं चिट्ठा निम्नलिखित समायोजन सहित 31 मार्च 2010 का बनाइये। (Prepare Trading account for the year ending 31st March 2010 and Balancesheet as on that date after taking into following adjustments).

1. रहतिया 31 मार्च 2010, 18500 ₹ है (Stock on 31 March 2010 ₹ 18500)
2. अदत्त खर्चे (Outstanding Expenses)
3. वेतन (Salary) ₹ 450, मजदूरी (Wages) ₹ 100
4. अग्रिम प्राप्त कमीषन ₹ 100 (Commission Received in Advance Rs.100)
5. घर खर्चे के लिए 500 ₹ का माल निकाला एवं 400 ₹ का माल दान में दिया (Goods worth ₹ 500 withdrawn for domestic expenses and goods ₹ 400 given away as charity)
6. फर्नीचर एवं यंत्र एवं मषीनरी पर 10% मूल्य ह्रास लगाइये। (Provide depreciation on Furniture and Plant and Machinery by 10%)
7. अर्जित ब्याज ₹ 150 है। (Accured Interest ₹ 150)

हल (Solution) :

Dr. Trading account for the year ending 31st March 2010 Cr.

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Stock		3,590	By Sales	61,270	
To Purchase	34,000		Less Sales Return	2,590	58,680
LessDrawing	500		By Stock		18,500
Less Charity	400				
Less Returns	1,090	32,010			
To Carriage Inward		1,490			
To Freight		1,240			
To Wages	6,580				
Add Outstanding	100	6,680			
To P & L A/c (Gross Profit transferred to P&L A/c)		32,170			
		77,180			77,180

Profit & Loss Account for the year ending 31st March 2010

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Salaries	1,350		By Trading A/c		32,170
Add Outstanding	450	1,800	By Commission	1,150	
To Discount Allowed		650	Less: Unearned	100	1,050
To Carriage Outward		1,520	By Interest		150
To Charity		400	By Discount Received		520
To Depreciation					
Furniture	486				
P&M	856	1,342			
To Capital A/c					
(Net profit transferred)		28,178			
		33,890			33,890

Balance Sheet as on 31st March 2010

Liabilites		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Outstanding Expenses			Cash in Hand		160
Salary	450		Cash at Bank		2,470
Wages	100	550	Bills Receivable		6,530
Unearned Commission		100	Stock		18,500
Bills Payable		4,580	Debtors		8,580
Creditors		6,000	Investments		2,240
Capital	22,500		Furniture	4,860	
Less Drawing (200+500)	700		Less Depreciation	486	4,374
	21,800		Plant & Machinery	8,560	
Add: Net Profit	28,178	49,978	Less Depreciation	856	7,704
			Building		10,500
			Accured interest		150
		61,208			61,208

उदाहरण (Illustration) : 15

31 दिसम्बर, 1997 को एक्स के व्यवसाय का तलपट निम्न प्रकार है (Following is the Trial Balance of the business of X as on 31st December, 1997)

Particulars	Amount ₹ (Dr.)	Amount ₹ (Cr.)
पूँजी (Capital)		6,200
भवन (Building)	6,000	
रोकड़ शेष (Cash Balance)	700	
विनियोग 01.04.1997 को क्रय किये (Investment Purchased on 01.04.1997)	1,200	
फर्नीचर (Furniture)	600	

विनियोग पर आधे वर्ष का ब्याज (Interest on Investment for half year)		100
देनदार एवं लेनदार (Debtors & Creditors)	1,420	1,100
बट्टा (Discount)	20	
छपाई व लेखन – सामग्री (Printing & Stati.)	50	
किराया व दरे (Rent & Rates)	1,700	
मजदूरी व चूंगी (Wages & Octrai)	710	
क्रय एवं विक्रय (Purchase and Sales)	8,000	12,600
वापसी (Return)	600	1,000
Total	21000	21000

निम्न समायोजनों को ध्यान में रखते हुए 31 दिसम्बर, 1997 को व्यापर खाता लाभ–हानि खाता तथा चिट्ठा बनाइये। (Considering the following adjustments, prepare Trading Account Profit and Loss Account and Balance Sheet as on 31st December 1998).

(1) वर्ष के अंत में स्टॉक का लागत मूल्य 1400 ₹ व बाजार मूल्य 1300 ₹ है।

(Cost Price of Stock at the end is ₹ 1400 and market Price is ₹ 1300)

(2) छपाई के 30 ₹ देना बकाया है। (₹ 30 is outstanding for Printing)

(3) देनदारों से 300 ₹ वसूल नहीं हुए। (₹ 300 could not be realized from debtors)

(4) भवन व फर्नीचर पर क्रमशः 5% से 10% वार्षिक दर से ह्रास लगाइए।

(Depreciation Building and Fruniture @ 5 p.a. and 10 X parespeativeles)

(5) एक्स ने 300 ₹ व्यक्तिगत प्रयोग के निकाले (X Withdraw ₹ 300 far personal use.)

(संशोधित मा.शि.बोर्ड राज. 1998)

हल (Solution) :

Trading & Profit & Loss Account for the Year ending 31st December. …….

Particular		Amount ₹	Particular		Amount ₹
To Purchases	8000		By Sales	12600	
Less: Return	1000	7000	Less: Returns	600	12000
To Wages & Octral		710	By Stock		1300
To P & L a/c		5590			
(Gross profit Transferred)					
		13300			13300
To Rent & Rates			By Trading a/c		
To Bad Debts		1700	By Interest on Investment		5590
To Discount		300	100		
To Printing & Stationery	50	20	Add:- Accrued Indesest		150
Add. Outstanding	30		50		
To Depreciation :		80			
Building	300				
Furniture	60				
To Capital a/c		360			
(Net profit Transferred)		3280			
		5740			5740

Balance Sheet as on 31st December, 1997

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Capital	6,200		Building	6,000	
Less : Drawings	300		Less : Depreciation	300	5,700
	5,900		Furniture	600	
Add : Net Profit	3,280	9,180	Less : Depreciation	60	540
Creditors		1,100	Debtors	1,420	
Outstanding Printing & Stationery		30	Less : Bad Debts	300	1,120
			Investments		1,200
			Accrued Interest		50
			Stock		1,300
			Cash in Hand	700	
			Less : Drawings	300	400
		10,310			10,310

वर्ष के अन्त में रहतिये का मूल्यांकन लागत मूल्य तथा बाजार मूल्य जो दोनों में से कम हो उस पर किया जाता है।

उदाहरण (Illustration) : 16

31 मार्च, 1996 को शर्मा एण्ड कम्पनी का निम्नलिखित तलपट है, अंतिम खातें तैयार कीजिए।

Following is the Trial Balance of Sharma and Co. as on 31st March 1996, Prepare Final Accounts.

Particular	Amount (Dr) ₹	Amount (Cr.) ₹
पुँजी (Capital)	---	80,000
रहतिया (Stock)	10,000	---
क्रय–विक्रय (Purchases & Sales)	60,000	95,000
विक्रय वापसी (Sales Return)	2,000	---
मजदूरी (Wages)	5,000	---
राम के ऋण पर ब्याज (Interest on Ram's Loan)	1,000	---
निर्माण व्यय (Manufacturing Expenses)	6,000	---
वेतन (Salaries)	4,000	---
बीमा (Insurance)	1,500	---
संदिग्ध ऋण आयोजन (Provision for Doubtful Debts)	---	1,800
डूबत ऋण (Bad Debts)	300	---
देय (Bills Payable)	---	5,000
ब्याज (Interest)	---	1,000
भूमि एवं भवन (Land & Building)	40,000	---
मशीनरी (Machinery)	50,000	---
फर्नीचर (Furniture)	2,000	---
मोटर कार (Motor Car)	30,000	---
देनदार एवं लेनदार (Debtors & Creditors)	25,400	---
आहरण (Drawings)	2,500	40,000
रोकड़ हस्ते (Cash in Hand)	800	---
राम से ऋण 12% वार्षिक दर से ब्याज पर 1 अप्रैल 95 से (Loan from Ram on 1 April 1995 Inetest @ 12% per Annum)	---	30,000

बैंक में जमा (Deposit in Bank)	10,000	---
मशीनरी पर मूल्य ह्रास (Depreciation on Machinery)	2,000	---
बैंक में जमा पर उपार्जित ब्याज (Accured int. on Bank Deposit)	300	---
Total	2,52,800	2,52,800

समायोजन (Adjustment)

(1) वर्ष के अन्त में रहतिया 25,000 ₹। (Stock at the end of the year ₹ 25,000)

(2) बीमा किस्त 12 माह के लिए 1 जुलाई 1995 को चुकायी ।
(Insurance Premium paid for 12 Months on 1st July 1995)

(3) मशीन के स्थापित करने पर व्यय 1,000 ₹ मजदूरी खाते में लिख दिये गये।
(Erection Charge for Machinery Rs. 1,000 debited to wages Account)

(4) डुबत ऋण के 400 ₹ और अपलिखित कीजिए तथा संदिग्ध ऋण आयोजन को 2000 ₹ से बढाइये।
(Write Off Further Bad Debts ₹ 400 and Provision for Doubtful Debts increase by ₹ 2000)

हल (Solution) :

Trading and Profit & Loss Account for the Year Ending 31st March, 1996

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Stock		10,000	By Sales	95,000	
To Purchase		60,000	Less : Returns	2,000	93,000
To Wages	5,000		By Stock		25,000
Less : Errection Charges	1,000	4,000			
To Manufacturing Expenses		6,000			
To P & L A/c		38,000			
(Gross Profit Transferred)					
		1,18,000			1,18,000
To Interest on Ram's Loan	1,000		By Trading A/c		38,000
Add : Outstanding Interest	2,600	3,600	By Interest		1,000
To Insurance	1,500				
Less : Prepaid Insurance	375	1,125			
To Salaries		4,000			
To Provision for Bad Debts		2,000			
To Depreciation on Machinery		2,000			
To Capital A/c		26,275			
(Net Profit Transferred)					
	Total	39,000		Total	39,000

Balance Sheet as on 31st March, 1996

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Creditors		40,000	Cash in Hand		800
Bills Payble		5,000	Deposit in Bank		10,000
Loan from Ram	30,000		Accured Interest on Bank Deposit		300
Add. Outstanding Int.	2,600	32,600	Stock		25,000
Capital	80,000		Prepaid Insurance		375
Add. Net Profit	26,275		Debtors	25,400	

	1,06,275		Less: Bad Debts	400	
Less: Drawings	2,500	1,03,775		25,000	
			Less: New pro.Bad Debts	3,100	21,900
			Furniture		2,000
			Motor Car		30,000
			Machinery	50,000	
			Add. Errection Charge	1,000	51,000
			Land & Building		40,000
		1,81,375			1,81,375

Dr. **Provision for Bad & Doubtfull Debts Account** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
	To Bad Debts		300		By Balance b/d		1800
	To Further Bad Debts		400		By Profit & Loss A/c		2000
	To Balance c/d		3100				
			3800				3800

उदाहरण (Illustration) : 17

श्री रामनारायण एण्ड संस की पुस्तकों में 31 मार्च, 1994 को निम्नलिखित तलपट बनाया गया है (The following Trial Balance was prepared in the Books of Shri Ram Narayan & Sons as on 31st March, 1994.)

Name of Account	Debit Amount ₹	Credit Amount ₹
आहरण एवं पूँजी (Drawings & Capital)	5,000	1,00,000
क्रय तथा विक्रय (Purchases & Sales)	68,000	1,50,000
विविध देनदार (Sundry Debtors)	40,000	-
रहतिया (Stock)	30,000	-
आवक वापसी (Returns Inward)	3,000	-
बैंक अधिविकर्ष (Bank Overdraft)	-	12,000
वेतन (Salaries)	17,000	-
कार्यालय ताप व रोषनी (Office Heating & Lightings)	2,000	-
पट्टे पर जायदाद (Lease-hold property)	80,000	-
कमीशन प्राप्त (Commission Received)	-	-
यात्रा व्यय (Travelling Expenses)	3,000	2,000
छपाई व लेखन सामग्री (Printing & Stationery)	1,000	-
फर्नीचर (Furniture)	9,000	-
संदिग्ध ऋण आयोजन (Provision for Doubtful Debts)	-	-
मजदूरी एवं भाड़ा (Wages & Freight)	10,000	4,000
Total	2,68,000	2,68,000

निम्नलिखित समायोजनों सहित 31 मार्च, 1994 को समाप्त होने वाले वर्ष का व्याापार खाता, लाभ–हानि खाता तथा चिट्ठा बनाइये। (Prepare Trading account and profit & Loss Account for the Year ended 31st March, 1994 and Balance Sheet as on that date taking into the following adjustments)

अन्य सूचनाएँ (Other informations)

(1) वर्ष के अन्त में रहतिया 15,000 ₹ मूल्यांकित किया गया।
(Stock valved at the end of the Year Rs. 15,000)

(2) मजदूरी के 1000 ₹ अभी देना बाकी है। (Wages Rs. 1,000 Still unpaid.)

(3) प्राप्त कमीशन का 75% कार्य ही पूरा हुआ है। (75% Work Completed of Commission received.)

(4) पट्टे पर जायदाद पर 5% व फर्नीचर पर 10% ह्रास काटिए। (Provide depreciation on Lease hold property @ 5% and furniture @ 10%)

(5) संदिग्घ ऋण आयोजन देनदारों के 6% तक बनाये रखना है। (Provision for & Doubtfull Debts maintainup to 6 %)

(6) 10,000 रू. की नई मशीन खरीदी तथा भुगतान चैक द्वारा कर दिया गया किन्तु पुस्तकों में इसका कोई लेखा नहीं किया गया। (Purchase a new machinery far Rs. 10,000 and payment mad by Cheque but not entry has been passed)

(7) वेतन 2,000 ₹ आगामी वर्ष से सम्बन्धित है। (Salary ₹ 2,000 related to next year)

(मा.शि.बो. राज. 1995)

Trading & Account for the year ended 31st March 1994.

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Stock		30,000	By Sales	1,50,000	
To Purchase		68,000	Less: Return	3,000	1,47,000
To Wages & Freight	10,000		By Stock		15,000
Add: Outstanding Wages	1,000	11,000			
To P & L A/c		53,000			
(Gross Profit Transferred)					
	Total	1,62,000		Total	1,62,000

Profit And Loss Account For The Year Ending 31st March, 1994

Particular		Amount ₹	Particular		Amount ₹
To Salaries	17,000		By Trading A/c		53,000
Less : Prepaid Salaries	2,000	15,000	By Commission	2000	
To Office heating & Lighting		2,000	Less: Un earned Comm.	500	1,500
To Travelling Expenses		3,000	By Provision for Bad and Doubtful Debts		1,600
To Printing & Stationery		1,000			
To Depreciation on :					
Lease Hold propeaty	4,000				
Furniture	900	4,900			
To Capital A/c		30,200			
(Net Profit Transferred to Capital A/c)					
	Total	56,100		Total	56,100

Balance Sheet as on 31st March, 1994

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Capital	1,00,000		Lease held property	80,000	
Less:-Drawing	5,000		Less: Depreciation	4,000	76,000
	95,000		Machinery		10,000
Add. Net Profit	30,200	1,25,200	Furniture	9,000	
Unearned Commission		500	Less: Deprecation	900	8,100
Outstanding Wages		1,000	Stock		15,000
Bank Over Draft	12,000		Debtors	40,000	
Add: Purchases of Machinery	10,000	22,000	Less: Provision for Bad & Doubtful Debt	2,400	37,600
			Prepaid Salaries		2,000
		1,48,900			1,48,000

Provision for Bad and Doubtful Debts Account

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
31-03-94	To Profit & Loss A/c (Balancing fig.)	1,600	01-04-93	By Balance b/d	4,000
31-03-94	To Balance C/d	2,400			
		4,000			4,000

उदाहरण (Illustration) : 18

31 दिसम्बर 1992 को श्री गोपाल की पुस्तकों में निम्नलिखित शेष ज्ञात किए गए (following balance takes from the books of Gopal on 31st Dec. 1992)

Particulars	DebitAmount ₹	Credit Amount ₹
पूँजी खाता (Capital Account)	-	50,000
रहतिया (Stock)	10,000	-
बट्टा (Discount)	500	-
ख्याति (Goodwill)	10,000	-
संदिग्ध एवं डूबत ऋण आयोजन (Provision for Bad and Dobtful Debts)	-	3,000
मजदूरी (Wages)	9,000	-
प्राप्य बिल एवं देय बिल (Bill Receivable and Bills Payable)	4,000	2,000
क्रय तथा विक्रय (Purchases & Sales)	80,000	1,20,000
वापसी (Returns)	2,000	3,000
आवक भाड़ा (Carriage Inward)	2,000	-
कारखाना किराया (Factory Rent)	1,500	-
कमीशन (Commission)	-	2,000
मशीनरी (Machinery)	20,000	-
फर्नीचर (Furniture)	6,000	-
देनदार लेनदार (Debtors & Creditors)	30,000	20,000
बीमा प्रीमियम (Insurance Premium)	1,800	-
वेतन 11 माह का चुकाया (Salary Paid for 11 Months)	4,400	-

राम के ऋण 1.7.1992, ब्याज 12 % वार्षिक		-
Loan to Ram on 1.7.1992 interest @ 12% per Annum	10,000	-
ट्रेडमार्क (Trade Mark)	8,800	-
Total	2,00,000	2,00,000

निम्नलिखित समायोजनों को ध्यान में रखते हुए 31 दिसम्बर, 1992 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए व्यापार खाता, लाभ–हानि खाता उसी तिथि का चिट्ठा भी बनाइये (Prepare Trading account and Profit & Loss account for the year ended 31st December, 1992 and Balance Sheet as on that date taking into the following adjustments)

(1) वर्ष के अन्त में रहतिया 30,000 ₹ (Stock at the end ₹ 30,000)

(2) मशीन एवं फर्नीचर पर 10% की दर से मूल्य ह्रास का प्रावधान कीजिये। (Provided depreciation on Machinery and Furniture @ 10% P.A.)

(3) पूँजी पर 10% वार्षिक की दर से ब्याज देय है। (Interest on Capital is Payable @ 10% P.A)

(4) डूबत ऋण के 500 ₹ ओर अपलिखित कीजिए तथा डूबत ऋण एवं संदिग्घ ऋण आयोजन को 1500 से बढाइये। (Write off further bad debts Rs. 500 and increase provision for Bad and Doubtful Debts by ₹ 1500)

(5) कमीशन का 1/4 भाग आगामी वर्ष के कार्य से सम्बन्धित है। (1/4 Share of commission relates to the next year) (मा.शि.बो. राज. 1993)

हल (Solution) :

Trading & Profit & Loss account for the year ended 31st Deceber 1992.

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Stock		10,000	By Sales	1,20,000	
To Purchases	80,000		Less; Return	2,000	1,18,000
Less: Returns	3,000	77,000	By Stock		30,000
To Wages		9,000			
To Factory Rent		1,500			
To Carriage Inward		2,000			
To Profit & Loss A/c		48,500			
		1,48,000			1,48,000
To Discount		500	By Trading A/c		48,500
To Insurance Premium		1,800	By Commission	2,000	
To Interest on Capital		5,000	Less: Unearned Commsion	500	1,500
To Salary	4,400		By Interest on Loan		600
Add: Outstanding Salary	400	4,800			
To Depreciation on					
Machinery	2,000				
Furniture	600	2,600			
To Provision for Bad Debts & Doubtfull Debts		1,500			
To Capital A/c (Net Profit Transferred)		34,400			
		50,600			50,600

Balance Sheet as on 31st December, 1992

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Bill Payable		2,000	Bill Receivable		4,000
Unearned Commission		500	Loan to Ram	10,000	
Outstanding Salary		400	Add : Accrued Intt.	600	10,600
Creditors		20,000	Debtors	30,000	
Capital	50,000		Less : Further Bad Debts	500	
Add : Net Profit	34,400			29,500	
	84,400		Less : Prov. for Bad & DD	4,000	25,500
Add : Interest on Capital	5,000	89,400	Stock		30,000
			Furniture	6,000	
			Less : Depreciation	600	5,400
			Machinery	20,000	
			Less : Depreciation	2,000	18,000
			Trade Mark		8,000
			Goodwill		10,000
		1,12,300			1,12,300

Dr. **Profivison for Bad & Doubtful Debts Account** **Cr.**

Date	Pariculars	J.F.	Amount ₹	Date	Particualrs	J.F.	Amount ₹
	To Bad Debts A/c		500		By Balance b/d		3,000
	To Balance c/d		4,000		By P & L A/c		1,500
			4,500				4,500

अंतिम खातों का लम्बाकार प्रारूप Trading and Profit & Loss Account For the year ending …….

Particulars		₹	₹	₹
Sales – Cash				—
Credit				—
				—
Less : Sales Return				—
	Net Sales			xxx
Less : Cost of goods sold :				
Opening Stock		– –		
Purchases Cash		– –		
Purchases Credit		– –		
		x x		
Less : Purchase Return	– –			
Goods use for other	– –	– –	– –	
			– –	
Less : Closing Stock			– –	

		– –	
Direct Expenses	– –		
Add : Outstanding Expenses	– –		
	– –		
Less : Prepaid Expenses	– –	– –	
Cost of Goods Sold			– –
Gross Profit (+) / Loss (–)			xxx
Less : Indirect Expenses :			
Administration & Office Expenses		– –	
Selling & Distribution Expenses		– –	
General Expenses		– –	
		– –	
Add : Outstanding Expenses		– –	
		– –	
Less : Prepaid Expenses		– –	
		– –	
Depreciation on Assets	– –		
Bad Debts / Provision for Bad Debts	– –		
Discount Allowed	– –		
Loss on Sale of Assets	– –		
Other Losses	– –	– –	– –
			– –
Add : Indirect Income :			
Discount Received		– –	
Profit on Sale of Assets		– –	
Interest on Drawings		– –	
		– –	
Add : Accrued Income		– –	
		– –	
Less : Unearned Income		– –	– –
Net Profit / Loss (Transferred to Capital Account)			xxx

Balance Sheet as at …….

Particulars	₹	₹	₹
A. Application of Funds :			
Fixed Assets :			
Goodwill			– –

Land & Building			– –
Machinery & Plant			
Less : Depreciation			– –
Furniture & Fixtures			
Less : Depreciation			– –
Patents			– –
Investments			– –
Current Assets (X) :			
Stock		– –	
Debtors		– –	
B / R		– –	
Accrued Income		– –	
Prepaid Expenses		– –	
Cash & Bank Balance		– –	
Total (X)		xxx	
Less : Current Liabilities (Y) :			
Creditors	– –		
B / P	– –		
Bank Overdraft	– –		
Outstanding Expenses	– –		
Unearned Income	– –	xxx	
Working Capital (X – Y)			– –
Total A (Net Capital Employed)			xxx
B. Sources of Funds :			
Capital of Owner		– –	
Add : Net Profit		– –	
Interest on Capital		– –	
Additional Capital		– –	
		xxx	
Less : Drawings	– –		
Net Loss	– –		
Interest on Drawings	– –	– –	– –
Financed by outsider (Bank Loan etc.)			– –
Total B			– –

उदाहरण (Illustration) : 19

निम्नलिखित शेष मैं राधारमण ट्रेडर्स की पुस्तकों से लिये गये है । वर्ष 31 मार्च 2010 के लिये शीर्ष रूप लाभ–हानि खाता और चिट्ठा तैयार कीजिये (From the following Balance of M/s Radharman Trader's. Prepare Profit & Loss Account for the year ended 31st March 2010 and Balance Sheet as on that date in vertical form

नाम शेष (Debit Balance)	Amount ₹	जमा शेष (Credit Balance)	Amount ₹
प्रारम्भिक रहतिया Opening Stock	11,520	पूँजी (Capital)	1,40,000
क्रय (Purchases)	81,000	क्रय वापसी (Purchases Return)	400
छेनदार (Debtors)	28,000	लेनदार (Creditors)	12,600
बट्टा (Discount Allowed)	2,000	कमीशन (Commission)	5,000
जावक गाड़ी भाड़ा (Carriage outward)	6,000	विक्रय (Sales)	1,98,000
आहरण (Drawings)	10,500	दीर्घकालीन ऋण (Long-Term Loan)	12,000
बीमा (Insurance)	1,200		
वेतन (Salaries)	30,000		
विनियोग (Investements)	20,000		
मोटर कार (Motor Car)	15,000		
संयत्र (Plant)	40,000		
भूमि व भवन (Land & Building)	80,000		
आवक गाड़ी भाड़ा (Carriage Inward)	4.080		
कानूनी व्यय (Legal Expenses)	3,200		
अंकेक्षण फीस (Audit Fee)	3,200		
ईधन व ऊर्जा (Fuel & Power)	9,460		
मजदूरी (Wages)	10,960		
विक्रय वापसी (Sales Returns)	1,360		
बैंक में रोकड़ (Cash at Bank)	5,200		
हस्तस्थ रोकड़ (Cash in hand)	2,000		
ब्याज (Interest allowed)	2,000		
डूबत ऋण (Bad Debts)	1,320		
	3,68,000		3,68,000

समायोजन (Adjustment) :

अंतिम रहतिया 4000 :- (Closing Stock Rs. 4000)

संयंत्र व भवन पर 10% की दर से ह्रास लगाईये (Depreciation on Plant & Building at 10%)

हल (Illustration) :

In the Books of M/s Radharaman Traders

Trading & Profit & Loss Account For the Year ending 31st March 2010

Particular		Amount ₹	Amount ₹
(A) Sales		1,98,000	
Less:- Sales Return		1,360	1,96,640
(B) Cost of Goods Sold			
Opening Stock		11,520	
Purchases	81000		
Less: Purchase Return	(400)	80,600	

Carriage Inward	4,080	
Fuel & Power	9,460	
Wages	10,960	
	1,16,620	
Less:- Closing Stock	4,000	1,12,620
(C) Gross Profit (A-B)		84,020
(D) Operating Expenses:-		
(1) Administrative Expenses :		
Insurance	1,200	
Salary	30,000	
Legal Expenses	3.200	
Audit Fee	3,200	
Depreciation (Rs. 4,000+8,000)	12,000	
Selling & Distribution Expenses	49,600	
Carriage Outward	6,000	
Discount Allowed	2,000	
Bad Debts	1,320	
(E) Total Operation Expenses (1+2)		58,920
(F) Net Operating Profit (C-E)	25,100	
Non-Operating Income		
Commission Received	5,000	
Less: Interest Paid	2,000	3,000
(G) Net Profit (Trasfer to Capital A/c)	28,100	

Balance Sheet as on 31st March, 2010

SI. No.	Particulars	₹	Schedule No.	Current year figures	Previous year figures
I	Source of funds :				
	Capitals A/c's	1,40,000			
	Add: Net Profit	28,100			
		1,68,100			
	Less: Drawings	10,500		1,57,600	
	Loan Funds :				
	Long Term Loans			12,000	
	TOTAL			**1,69,600**	
II	Application of Funds:				
	(i) Fixed Assets				
	Motor Car	15,000			
	Plant	36,000			
	Building	72,000		1,23,000	
	(ii) Investments			20,000	

	(iii) Current Assets :			
	Stock 4,000			
	Debtors 28,000			
	Bank 5,200			
	Cash 2,000			
	39,200			
	Less: Current Liabilities and Provisions – Creditors 12,600			
	Net Current Assets			
	TOTAL		26,600	
			1,69,600	

उदाहरण (Illustration) : 20

31 मार्च 2008 को श्री लक्ष्मण का तलपट इस प्रकार है, आप लम्बाकार प्रारूप में समायोजनों का प्रभाव देते हुए अंतिम खाते बनाइये। (The following is the trial balance of Shri Laxman as on 31st March, 2008. You are requested to prepare the final account in vertical format after giving effect to the adjustments.)

Particulars	(Dr.) ₹	(Cr.) ₹
	Rs.	Rs.
देनदार एवं लेनदार (Debtors & Creditors)	1,45,000	63,000
आहरण एवं पूंजी खाता (Drawings & Capital Account)	52,450	7,10,000
बीमा (Insurance)	6,000	—
सामान्य व्यय खाता (General Expenses)	30,000	
वेतन (Salaries)	1,50,000	
पेटेन्ट (Patents)	75,000	
मशीनरी (Machinery)	2,00,000	
भूमि (Freehold Land)	1,00,000	
भवन (Building)	3,00,000	
रहतिया (Stock (01.04.2007)	57,600	
क्रय पर गाड़ी भाड़ा (Carriage on Purchases)	20,400	
विक्रय पर गाड़ी भाड़ा (Carriage on Sales)	32,000	
ईधन व षक्ति (Fuel & Power)	47,300	
मजदूरी (Wages)	1,04,800	
वापसी (Returns)	6,800	5,000
क्रय एवं विक्रय (Purchase & Sales)	4,06,750	9,87,800
बैंक में रोकड़ (Cash at Bank)	26,300	
हाथ में रोकड़ (Cash in Hand)	5,400	
Total	17,65,800	17,65,800

समायोजन (adjustments) :

(i) 31 मार्च 2008 को रहतिये का मूल्यांकन 68,000 ₹ किया। (Stock on 31st March, 2008 was valued at ₹ 68,000.)

(ii) विविध देनदारों पर डूबत एवं संदिग्ध ऋणों के लिए 5 प्रतिशत तक प्रावधान कीजिये। (A provision for bad and doubtful debts is to be created to the extent of 5% on sundry debtors.)

(iii) मशीनरी पर 10 प्रतिशत तथा पेटेन्ट पर 20 प्रतिशत ह्रास लगाइये। (Depreciate machinery by 10% and patents by 20%.)

(iv) मजदूरी में 20,000 ₹ कर्मचारियों एवम् ग्राहकों के लिए साइकिल स्टेण्ड बनाने की मजदूरी के शामिल है। (Wages include a sum of ₹ 20,000 spent on the erection of a cycle stand for employees and customers.)

(v) मार्च 2008 के वेतन के 15,000 ₹ चुकाने बाकी है। (Salaries for the months of March, 2008 amounting to Rs. 15,000 were unpaid.)

(vi) बीमा प्रीमियम के 1,700 ₹ 30 सितम्बर 2008 समाप्त होने वाली पॉलिसी के है। (Insurance includes a premium of ₹ 1,700 on a policy expiring on 30th September, 2008.)

हल (Solution) :

Trading and Profit & Loss Account For the year ending 31st March, 2008

Particulars	₹	₹	₹
Sales			9,87,800
Less : Return Inward			6,800
Net Sales			9,81,000
Less : Cost of goods sold :			
Opening Stock		57,600	
Purchases	4,06,750		
Add : Carriage on Purchases	20,400		
	4,27,150		
Less : Return outwards	5,000	4,22,150	
Wages	1,04,800		
Less : Wages for Cycle Shed	20,000	84,800	
Fuel & Power		47,300	
		6,11,850	
Less : Closing Stock		68,000	
Cost of goods sold			5,43,850
Gross Profit			4,37,150
Less : Administrative & Selling Expenses			
Insurance	6,000		
Less : Prepaid	850	5,150	
General Expenses		30,000	
Salaries	1,50,000		
Add : Outstanding Salary	15,000	1,65,000	

Carriage on Sales		32,000	
Provision for Bad Debts and doubtful		7,250	
Depreciation On :			
Machinery		20,000	
Patents		15,000	2,74,400
Net Profit transfer to Capital account			1,62,750

Balance Sheet of Shri Paras As on 31st March, 2008

Particulars		₹	₹	₹
A. Application of Funds				
Fixed Assets :				
Freehold Land			1,00,000	
Building			3,00,000	
Machinery		2,00,000		
Less : Depreciation		20,000	1,80,000	
Patents		75,000		
Less : Depreciation		15,000	60,000	
Cycle Shed			20,000	6,60,000
CURRENT ASSETS : (X)				
Stock		68,000		
Sundry Debtors	145000			
Less : Prov. For Bad & doubtful Debts	7,250	1,37,750		
Cash at Bank		26,300		
Cash in Hand		5,400		
Prepaid Insurance		850	2,38,300	
CURRENT LIABILTIES : (Y)				
Sundry Creditors		63,000		
Outstanding Salaries		15,000	78,000	
Working Capital (X – Y)				1,60,300
Net Assets Employed				8,20,300
B. Sources of Funds				
Capital			7,10,000	
Add : Net Profit			1,62,750	
			8,72,750	
Less : Drawings			52,450	8,20,300
				8,20,300

स्वंय जाँच कीजिए – 1

सही उत्तर चिन्ह्ति कीजिए :

1. दीपक का तलपट आपको निम्नलिखित सुचनाएँ उपलब्ध करवाता है – देनदार 80,000 ₹, डूबत ऋण 2,000 ₹, संदिग्ध ऋणो के लिए प्रावधान 4,000 ₹ यह आवश्यक है कि संदिग्ध ऋणो के लिए 1,000 ₹ का प्रावधान हो। लाभ हानि खाते के नाम / जमा पक्ष में राशि क्या होगी।

(अ) 5,000 ₹ (नाम) (ब) 5,000 ₹ (जमा)

(स) 1,000 ₹ (जमा) (द) 1,000 ₹ (नाम) ( )

2. यदि एक महीने का किराया अभी तक बकाया है तो समायोजन प्रविष्टि होगी :–

(अ) बकाया किराया खाता नाम तथा किराया खाता जमा।

(ब) लाभ व हानि खाता नाम तथा किराया खाता जमा।

(स) किराया खाता नाम तथा लाभ–हानि खाता जमा।

(द) किराया खाता नाम तथा बकाया किराया खाता जमा। ( )

3. यदि 2,000 रू. किराया अग्रिम प्राप्त है तो समायोजन प्रविष्टी होगी : –

(अ) लाभ–हानि खाता नाम तथा किराया खाता जमा।

(ब) अग्रिम किराया खाता नाम तथा लाभ–हानि खाता जमा।

(स) किराया खाता नाम तथा बकाया किराया खाता जमा।

(द) किराया खाता नाम अग्रिम किराया खाता जमा । ( )

4. यदि 1 अप्रेल 2009 को आरम्भिक पूँजी 50,000 ₹ है तथा 1 जनवरी 2010 को 10,000 ₹ की अतिरिक्त पूँजी लगाई गई। पूँजी पर ब्याज 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगाया जाता है तो 31 मार्च 2010 को लाभ हानि खाते में पूँजी पर ब्याज की राशि होगी।:

(अ) 5,250 ₹ (ब) 6,000 ₹ (स) 4,000 ₹ (द) 3,000 ₹ ( )

5. यदि बीमा कम्पनी प्रीमियम का 1,000 रू. का भुगतान किया गया है तथा पूर्वदत्त बीमा 300 रू. है तो लाभ व हानि खाते में बीमा प्रिमियम की राशी नाम होगी :–

(अ) 1,300 ₹ (ब) 1,000 ₹ (स) 300 ₹ (द) 700 ₹ ( )

स्वंय जाँच – 2

1. निम्नलिखित में से पूर्वदत्त बीमा प्रीमियम हेतु समायोजन प्रविष्टि होगी–

(अ) Insurance Premium A/c Dr. 3,000
To Prepaid Insurance Premium A/c 3,000

(ब) Insurance Premium A/c Dr. 2,000
To Profit & Loss A/c 2,000

(स) Prepaid Insurance Premium A/c Dr. 2,000
To Insurance Premium A/c 2,000

(द) Profit & Loss A/c Dr. 1,000
To Prepaid Insurance A/c 1,000 ( )

(मा.शि.बोर्ड.राज. 2001)

2. एक व्यापारी ने 1 जुलाई 1999 को 1 वर्ष का कमीशन 400 ₹ प्राप्त किया वह अपने अंतिम खाते प्रतिवर्ष 31 मार्च को बनाता है । कमीशन से सम्बन्धित समायोजन प्रविष्टि होगी–

(अ) Unearned Commission A/c Dr. 300
To Commission A/c 300

(ब) Unearned Commission A/c Dr. 200
To Commission A/c 200

(स) Commission A/c Dr. 200
To Unearned Commission A/c 200

(द) Commission A/c Dr. 100
To Unearned Commission A/c 100 ( )

(मा.शि.बोर्ड.राज. 2001)

(3) गतवर्ष के अदत्त वेतन 1,000 ₹ का भुगतान चालू वर्ष में किया गया यदि इसकी विपरीत प्रविष्टि नही की गई हो और इस भुगतान से वेतन खाते को नाम किया हो तो चालू वर्ष का लाभ होगा –

(अ) 1,000 रू. से बढेगा (ब) 1,000 रू. से घटेगा

(स) 2,000 रू. से बढेगा (द) 2,000 रू. से घटेगा ( )

(मा.शि.बोर्ड.राज. 2000)

(4) वर्ष के प्रारम्भ में किराये कि आय 20,000 ₹ बकाया थी 1 वर्ष के अन्त में किराये की आय 10,000 ₹ पेशगी प्राप्त हुई। किराया 10,000 रू. प्रतिमाह है। वर्ष मे प्राप्त किराये की राशि होगी –

(अ) 1,50,000 (ब) 1,70,000 (स) 1,00,000 (द) 1,30,000 ( )

(मा.शि.बोर्ड.राज. 1998)

(5) वर्ष 1997 में 10,000 ₹ मजदूरी चुकाई गई । अदत्त मजदूरी खाते का प्रारम्भिक शेंष 2,000 ₹ तथा अन्त का शेष 1,000 ₹ है। व्यापार खाते के नाम पक्ष में दिखाई गई मजदूरी की राषि होगी –

(अ) 7,000 (ब) 8,000 (स) 9,000 (द) 10,000 ( )

(मा.शि.बोर्ड.राज. 1998)

(6) एक व्यापारी ने 1 जुलाई 1995 को 1 वर्ष का किराया 2400 ₹ प्राप्त किया 31 मार्च 1996 को अंतिम खाते बनाते समय किराये से सम्बन्धित समायोजन प्रविष्टि होगी –

(अ) Rent A/c Dr. 600
To Unearned Rent A/c 600

(ब) Unearned Rent A/c Dr. 600
To Rent A/c 600

(स) Rent A/c Dr. 1,800
To Unearned RentA/c 1,800

(द) Unearned Rent A/c Dr. 1,800
To Rent A/c 1,800 ( )

(मा.शि.बोर्ड.राज. 1997)

स्वंय जाँच – 3

1. तलपट में शामिल अनुपार्जित आय की मद को अंतिम खातो मे कहा दर्शाया जायेगा।

(मा.शि.बोर्ड.राज. 1999)

2. 1 जुलाई 1999 को एक व्यापारी ने स्टेट बैंक ऑफ इन्डिया से 50,000 ₹ का 12 प्रतिशत वार्षिक दर से ऋण लिया। 31 मार्च 2000 तक उसने ब्याज के 4,000 ₹ चुकाये। व्यापारी की पुस्तको में 31 मार्च 2000 को खाते बन्द करते समय ब्याज के लिए समायोजन प्रविष्टि कीजिये। (मा.शि.बोर्ड राज. 2001)

3. फर्म के मेनेजर को 5 प्रतिषत कमीशन शुद्व, लाभ पर देय है। कमीशन देने से पूर्व लाभ 10,017 ₹ है फर्म के शुद्व लाभ की राशि क्या होगी? (मा.शि.बोर्ड राज. 1999)

4. वर्ष के प्रारम्भ में उपार्जित कमीशन खाते का शेष 7,000 ₹ और वर्ष के अन्त में इस खाते का शेष 900 ₹ था यदि कमीशन के 5,000 ₹ लाभ–हानि खाते में जमा किये हो तो वर्ष मे प्राप्त कमीशन की राशि (गतवर्ष के उपार्जित कमीशन सहित) कितनी होगी। (मा.शि.बोर्ड राज. 1999)
5. 1 जुलाई 1997 को 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से 6,000 ₹ बैक से उधार लिए वर्ष के दौरान 200 ₹ ब्याज के चुकाये। 31 मार्च 1998 को अंतिम खाते बनाते समय समायोजन प्रविष्टि कीजिये । (मा.शि.बोर्ड राज. 1999)
6. वर्ष 1997 के बकाया वेतन 1,000 ₹ का भुगतान 1 जनवरी 1998 को किया गया। वेतन भुगतान की जर्नल प्रविष्टि दीजिये। (मा.शि.बोर्ड राज 1998)
7. वर्ष के दौरान माल का क्रय 50,000 ₹ और विक्रय 75,000 ₹ के थे सकल लाभ की दर लागत का 25 प्रतिशत है। वर्ष के अंत का रहतिया 20,000 ₹ का था । वर्ष के प्रारम्भ में रहतिये का मूल्य ज्ञात कीजिये। (मा.शि.बोर्ड.राज. 1998)
8. एक फर्म ने वर्ष 1992 में 20,000 ₹ कमीशन के रूप में प्राप्त कियें इस कमीशन 2,000 ₹ तथा 4,000 रू. की राशिया क्रमशः वर्ष 1993 एवं 1994 के लिए है। दिसम्बर 1992 को कमीशन से सम्बन्धित समायोजन प्रविष्टि दीजिए। (मा.शि.बोर्ड राज. 1993)
9. मैनेजर को शुद्व लाभ (कमीशन घटाने के बाद) पर 10 प्रतिशत कमीशन देना है। कमीशन घटाने से पूर्व शुद्व लाभ 55,000 ₹ है। कमीशन के लिए समायोजन प्रविष्टि दीजिए। (मा.शि.बोर्ड राज 1997)

स्वंय जाँच – 4

(1) आयगत व्यय को अन्तिम खातो में दर्शाते है।–

(अ) पूँजी में से घटाकर (ब) पूँजी में जोड़कर
(स) लाभ–हानि खाते के नाम पक्ष में (द) चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष मे ( )

(मा.शि.बोर्ड राज. 2001)

(2) पूँजीगत व्यय को अन्तिम खातो में दर्षाते है।–

(अ) पूँजी में से जोड़कर (ब) पूँजी में से घटाकर
(स) सम्पत्ति पक्ष में (द) दायित्व पक्ष मे ( )

(मा.शि .बोर्ड राज. 1999,2000)

(3) वर्ष 1997 में 5,00,000 रूपये का माल 20 प्रतिशत व्यापारिक बट्टे एवं 2 प्रतिशत नकद बट्टे पर बेचा। अंतिम खातो में दिखायी गयी बट्टे की राषि होगी।

(अ) Rs.8,000 (ब) Rs.10,000 (स) Rs.1,08,000 (द) Rs.1,10,000 ( )

(मा.शि .बोर्ड राज. 1998)

(4) तलपट में सम्मिलित 'अन्तिम रहतिया' अंतिम खातों में दर्शाया जाता है।

(अ) व्यापार खाता एवं चिट्ठें में (ब) केवल व्यापार खाते के नाम पक्ष में
(स) केवल व्यापार खाते के जमा पक्ष में (द) केवल चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में ( )

(मा.शि. बोर्ड राज. 1996)

(5) एक कारखाना प्रबन्धक सकल लाभ का 5 प्रतिषत कमीषन प्राप्त करता है। सकल लाभ, शुद्व लाभ का दुगुना है यदि शुद्व लाभ की राशि 21,000 ₹ हो तो कमीशन की राशि होगी –

(अ) 1,000 (ब) 1,050 (स) 2,000 (द) 2,100 ( )

(मा.शि.बोर्ड राज. 2002)

(6) जब चिट्ठा तरलता क्रम से बनाया जाता है तो सम्पत्ति पक्ष में सर्वप्रथम मद दिखायी जाती है।–

(अ) बैंक शेष (ब) ख्याति (स) नकद (द) भवन ( )

(7) देनदार 20,000 रू संदिग्ध ऋण के लिए आयोजन 2,000 ₹ देनदारो पर बट्टे के लिए 5 प्रतिशत का आयोजन हो तो चिट्ठे में देनदारो की शुद्व राशि दर्शायी जायेगी –

(अ) 19,000 ₹ (ब) 21,000 ₹ (स) 18,000 ₹ (द) 17,100 ₹ ( )

स्वंय जाँच – 5

(1) 31 दिसम्बर 1996 को डूबत ऋणो के लिए आयोजन का शेष 8,000 ₹ था । वर्ष 1997 में डूबत ऋण अपलिखित किये गये 2,000 ₹ इस वर्ष के अन्त में 1,000 रू के डूबत ऋण और अपलिखित करने है। 1997 वर्ष के अन्त में देनदार 51,000 ₹ के थे। व्यापारी द्वारा डूबत ऋणो के लिए आयोजन देनदारो पर 5 प्रतिशत की दर से बनाया रखा जाता है। उपयुक्त सूचनाओ से वर्ष 1997 के लिए डूबत ऋण आयोजन खाता एवं डूबत ऋण खाता तैयार कीजिए तथा मदो को अंतिम खातो मे दिखाइए।

(On 31st Dec. 1996 Balance of Provision for Bad Debts Account was Rs. 8,000 in the year 1997 ₹ 2,000 bad debts written off. At the and of years ₹ 1,000 is to be written off. At the end of year 1997 Debtors was ₹ 51,000. Trader maintain provision for Bad debts @ 5% on debtors. From the above information prepare provision for Baddebts account and Baddebt account for the year 1997 and show items in final accounts) (मा.शि.बोर्ड राज 1993 – 99)

(2) एक व्यापारी की पुस्तको में 1 जनवरी 2002 को बकाया वेतन खाते का शेष 2,00 ₹ था। वर्ष के दौरान 55,000 ₹ का वेतन चुकाया। वर्ष के अन्त में 8,000 ₹ वेतन के बकाया थें। उपर्युक्त से वर्ष 2002 के लिए वेतन सम्बन्धी सभी आवष्यक प्रविष्टिया दीजियें एवं वेतन खाता तैयार कीजिये।

(Balance of outstanding Salary account show on 1st Jan, 2002 in the books of a Traders and amounting to ₹ 200. Salary paid during the year ₹ 55,000 Salary outstanding at the end of the year ₹ 8,000 Pass necessary Journal entries relating to Salaries for the year 2002 and prepare Salary Account) (मा.शि.बोर्ड राज 2002)

(3) 31 मार्च 1999 को पुस्तको बन्द करते समय निम्नलिखित समायोजनो के लिए जर्नल प्रविष्टिया दीजिये।

1. 1 जुलाई 1998 को 2,400 रू. वार्षिक दर से एक वर्ष के लिए बीमा प्रीमियम चुकाया
2. मोहन को 1 जनवरी 1999 को 10 प्रतिषत वार्षिक ब्याज पर 12,000 रू का ऋण दिया है।
3. प्राप्त कमीशन 800 रू जिसका 1/4 भाग अगले वर्ष से सम्बन्धित है।
4. व्यापारी के तलपट में मोटर कार व्यय 6,000 रू दिखाया गया है। मोटर कार के खर्चे का 1/4 भाग स्वामी के नीजि कार्य में प्रयोग होता है।
5. 31 मार्च 1999 को वर्ष के अन्त के रहतिये का मूल्यांकन 3,000 रू. से अधिक किया गया।

(Pass necessary Journal entries for the following adjustments to close the books on 31st March 1999.)

1. Insurance Premium paid @ ₹ 2,400 P.a on 1 July 1998 for one year
2. Loan given to Mohan on 01.01.1999 Rs. 12,000 @ 10% P.A interest.
3. Commission received ₹ 800 out of which ¼ parts in related to next year.
4. Car expenses showing in the trial balance of Traders ₹ 6,000 ¼ of the car expenses relating to personal work of proprietor.
5. Stock at the end over valued by ₹ 3,000 on 31st March, 1999

(मा.शि.बोर्ड राज 2000)

(4) 31 दिसम्बर, 1993 को खाते बन्द करते समय निम्नलिखित समायोजनो के सम्बन्ध में जर्नल प्रविष्टिया तथा इनको चिट्ठे में दिखाइये। (Give necessary Journal entries for following adjustments to close the account on 31st December 1993 and show them in Balance Sheet)

1. 1993 में केवल 11 माह का ही वेतन 22,000 ₹ का भुगतान किया गया है।
2. 1 अक्टूबर, 1993 को 1 वर्ष का अग्रिम किराया 12,000 ₹ प्राप्त किया
3. व्यापारी ने वर्ष के मध्य में 10,000 ₹ का आहरण किया। आहरण पर 10 प्रतिषत वार्षिक ब्याज देय है।
4. 1 अप्रेल 2001 को मशीन खाते का शेष 90,000 ₹ था 31 दिसम्बर, 2001 को 50,000 ₹ की नई मशीन खरीदी। वर्ष के अन्त में 20 प्रतिशत मूल्यह्रास चार्ज करना है।

1- In 1993 Salary paid ₹ 22,000 only for 11 Month

2- On 1st October, 1993 advance rent received ₹ 12,000 for one year.

3- Trader withdrew ₹ 10,000 in the mid year. Int. on drawings was charged at 10% per annum)

4. On 1st April, 2001 the balance of machinery A/c was Rs. 90,000 on 31st December,2001 a new machine of Rs. 50,000 was purchased at the end of the year. 20% depreciation is to be charged.

(मा.शि.बोर्ड राज 2003)

(5) एक व्यापारी के तलपट में निम्नलिखित मदे दिखायी गई है। (Following items show in a trial Balance of a trader)

डूबत ऋण	(Bad Debts)	₹ 3,000
डूबत ऋण आयोजन	(Provision for Bad Debts)	₹ 1,500
देनदार	(Debtors)	₹ 2,50,000

देनदारो के 2,000 ₹ डूबत ऋण में सम्मिलित है। जो अपलिखित करने हैं। देनदारो पर 5 प्रतिशत की दर से डूबत ऋण का आयोजन बनाइये। आवश्यक प्रविष्टिया एवं अग्रिम खातो में दिखाऍ।

(Debtors include ₹ 2,000 as Bad Debts to be writeen off provide 5% provision for Bad debts on debtors, Give necessary Journal entries & Show in Final Account)

(6) अ विशिष्ट देनदारो पर प्रत्येक वर्ष के अन्त में संदिग्ध देनदारो के लिए आयोजन बनाता है। 31–12–2009 को निम्न देनदारो के शेष संदिग्ध माने गये तथा उन पर आयोजन किया गया।

ब – 1600 ₹, स– 1,400 ₹. द – 300 ₹, 31–12–2010 से सम्बन्धित विवरण निम्नप्रकार है।

(अ) डुबत ऋण अपलिखित ब –2,200 ₹, इ – 800 ₹ पी – 1300 ₹

(आ) डुबत ऋण वसूली आर – 700 ₹ एस – 600 ₹ एन – 500 ₹

(इ) वर्ष के अन्त में संदिग्ध माने गये डुबत ऋण जी – 900 ₹, एच – 700 ₹, के 1200 ₹, वर्ष के प्रारम्भ में संदिग्ध माने गये देनदारों से या तो राषि वसूल हो गयी या डूबत ऋण के रूप में अपलिखित कर दिए गये। डूबत ऋण खाता एवम् ऋण प्रावधान, 31 मार्च 2010 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए डूबत ऋण एवं डूबत एवं संदिग्ध ऋणो के लिए आयोजन खाता बनाइये।

(A makes provision for Doubtfull Debts & the end of each year against specific Debtors, on 31st Dec, 2009 the following debtors balances were considered doubtful and provided for B- ₹ 1600 C- ₹1400 and D – ₹ 300 following are the particular for the year ended 31st Dec. 2010

(a) Bad Debts written off B ₹ 2200 E - ₹ 800 P – ₹ 1300

(b) Bad debtsd recovered Rs. R- ₹ 700, S- ₹ 600 N- ₹. 500

(c) Bed Debts considered doubtfull at the end of the year G- ₹ 900 H – ₹ 700, K – ₹ 1200

Debts considred doubtfull at commentment of the year 2010 were either realized or written off as bad debts write up the Bad debts & Provision on for Doubtful Debts account for year ended 31-12-2010

(7) 31 दिसम्बर 1996 को डूबत ऋणो के लिए आयोजन का शेष 8,000 ₹ था वर्ष 1997 मे डूबत ऋण अपलिखित किये गये 2,000 ₹। इस वर्ष के अन्त में 1,000 ₹ के डूबत ऋण और अपलिखित करने है। 1997 वर्ष के अन्त में देनदार 51,000 ₹ के थे। व्यापारी द्वारा डूबत ऋणो के लिए आयोजन देनदारो पर 5 प्रतिषत की दर से बनाया रखा जाता है। उपर्युक्त सूचनाओ से वर्ष 1997 के लिए डूबत ऋण आयोजन खाता एवं डूबत ऋण खाता तैयार कीजिए तथा मदों को अन्तिम खातो मे दिखाइये।

(On 31st Dec. 1996 Balance of Provision for Bad debts Account was Rs. 8,000 In the year. 1997 ₹ 2,000 bad debts written off. At the end of year ₹ 1,000 is to be written off. At the end of year 1997 Debtors was ₹ 51,000. Trader maintain provision for bad debts @ 5% on Debtors. From the above information prepare provision for bad debts account and bad debts account for the year 1997, and show item in final account) (मा.शि.बोर्ड राज 1993,99)

(8) एक व्यापारी अपने देनदारो पर 5 प्रतिशत डूबत ऋणो के लिए प्रावधान तथा 2 प्रतिशत देनदारो पर बट्टे के लिए आयोजन बनाता है। आपको निम्न विवरण दिया गया है। (A trader maintain its provision for Bad debts @ 5% and a provision for discount on debtors @ 2% you are given following details.)

		2009	2010
		₹	₹
डूबत ऋण	(Bad Debts)	800	1,500
बट्टा दिया	(Discount Allowed)	1,200	500
पिछले वर्ष डूबत ऋण की वापसी	(Recovery of Bad debts Written off in last year)	500	300

31 दिसम्बर 2009 तथा 2010 को देनदारो का शेष (डूबत ऋण तथा बट्टे को अपलिखित करने से पूर्व) 60,000 रू. तथा 42,000 ₹ था 1 जनवरी 2009 को डूबत ऋण आयोजन खाते तथा देनदारो पर बट्टे के लिए आयोजन खाते का शेष क्रमशः 4,550 ₹ तथा 800 ₹ था। वर्ष 2009 तथा 2010 के लिए डूबत ऋण आयोजन खाता तथा देनदारो पर बट्टे के लिए आयोजन खाता बनाइये। (Sundry debtors (before writing off Bad debts and discount) amounted to ₹ 60,000 on 31st Dec. 2009 and ₹ 42,000 on 31st Dec.2010 On 1st Jan. 2009. Provision for Bad debts and provision for discount on debtors had balances of ₹ 4,550 and ₹ 800 Respectively. Show the provision for Bad Debts account and provision for discount on Debtors Account for 2009 and 2010)

(9) एक व्यापारी की पुस्तको में 1 जनवरी 2002 को बकाया वेतन खाते का शेष 200 ₹ था। वर्ष के दौरान 55,000 रू. का वेतन चुकाया। वर्ष के अन्त में 8,000 ₹ वेतन के बताया थे। उपयुर्क्त से वर्ष 2002 के लिए वेतन सम्बन्धी सभी आवश्यक प्रविष्टिया दीजिये एवं वेतन खाता तैयार कीजिये।

(Balance of outstanding Salary A/c show on 1st Jan.2002 in the books of a trader amounting to ₹ 200 Salaries paid during the year ₹ 55,000 Salary outstanding at the end of the year ₹ 8,000 Pass necessary Journal entries relating to salaries for the year 2002 and prepare Salary Account.

(मा.शि.बोर्ड राज 2002)

(10) वित्तिय वर्ष के अन्त मे निम्नलिखित लेन–देनो की समायोजन प्रविष्टिया दीजिऍ। (Give adjustment entries for the following at the end of Financial Year)

1. वर्ष भर में 13 माह का वेतन 3,900 ₹ चुकाया गया।

(During the year Salary ₹ 3,900 was paid for 13 month)

2. सरकारी प्रतिभूतियों पर 1,000 ₹ ब्याज के बकाया थे।

(Interest Rs. 1,000 was due on government securities)

3. डूबत एवं संदिग्ध ऋणो के लिए 5,000 ₹ का आयोजन कीजिये।

(Provide ₹ 5,000 for Bad and Doubtful Debts.) (मा.शि.बोर्ड राज 1996)

(11) 31 मार्च 1999 को पुस्तको बन्द करते समय निम्नलिखित समायोजनो के लिए जर्नल प्रविष्टिया दीजिये।

(1) 1 जुलाई, 1998 को 2,400 ₹ वार्षिक दर से एक वर्ष के लिए बीमा प्रीमियम चुकाया।

(2) मोहन को 1 जनवरी 1999 को 10 प्रतिषत वार्षिक ब्याज पर 12,000 ₹ का ऋण दिया है।

(3) प्राप्त कमीशन 800 ₹ जिसका 1/4 भाग अगले वर्ष से सम्बन्धित है।

(4) व्यापारी के तलपट में मोटर कार व्यय 6,000 ₹ दिखाया गया है। मोटर कार के खर्चे का 1/4 भाग स्वामी के निजी कार्य में प्रयोग होता है।

(5) 31 मार्च 1999 को वर्ष के अन्त के रहतिये का मूल्यांकन 3,000 रू. से अधिक किया गया।

Pass necessary Journal entries for the following adjustment, to close the books on 31st March 1999.

(i) Insurance premium paid @ ₹ 2400 P.A. on 1st July 1998 for one year

(ii) Loan given to Mohan on 01.01.1999 ₹ 12,000 @ 10 % P.A. Interest.

(iii) Commission received ₹ 800 out of which ¼ part is related to next year.

(iv) Car expenses showing in the trial balance of trader ₹ 6,000. ¼ of the car expenses relating

to personal work of proprietor

(v) Stock at the end over valued by ₹ 3,000 on 31st March, 1999.

(मा.शि.बोर्ड राज 2000)

(12) निम्नलिखित व्यवहारो से आवश्यक जर्नल प्रविष्टिया दीजिये।

(1) व्यापारी ने वर्ष के मध्य मे 1,00,000 ₹ की पूँजी लगायी पूँजी पर 6 प्रतिशत ब्याज लगाना बाकी है।

(2) बीमा किस्त के 50,000 एक वर्ष के 1 जनवरी, 2010 को चुकाये लेखा पूस्तके प्रतिवर्ष 31 मार्च को बन्द की जाती है।

(3) वेतन 5,000 मजदूरी 3,000 ₹ विज्ञापन के 2000 ₹ अदत्त है।

(4) व्यापारी ने 10 प्रतिशत स्थायी जमा में 1 फरवरी 2010 को 1,50,000 ₹ जमा कराये। लेखा पुस्तके 31 मार्च 2010 को बन्द की जाती है।

(5) व्यापारी ने 1,00,000 ₹ की मशीन 1 अप्रेल 2009 को उधार खरीदी। मशीन को स्थापित करने में 3,000 ₹ का माल काम आया एवं 1,000 ₹ मजदूरी के चुकाये। मजदूरी राशि मजदूरी खाते में नाम लिख दी।

(6) उपरोक्त मशीनरी पर 8 प्रतिशत से मूल्यह्रास लगाइये।

(7) 2,000 ₹ कमीशन के अनुपार्जित है।

(8) एक नये उत्पाद के लिए 5,000 ₹ का माल नमून के लिए वितरित किये।

Give necessary Journal entries from the following transactions.

(i) Trader introduced Capital ₹ 1,00,000 in middle of the year charging of interest on capital @ 6% is due

(ii) Instalment of insurance paid for one year ₹ 50,000 on 1st January, 2010. Books close on 31st March every year.

(iii) Salary Rs. 5,000 wages ₹ 3,000 and advertisement ₹ 2,000 is outstanding

(iv) Deposit ₹ 1,50,000 in fixed deposit on 1st Feb., 2010 @ 10% Interest. Accounts Books closed on 31st March, 2010.

(v) A machinery costing ₹ 1,00,000 purchased on 1st April 2009 by trader. Goods used ₹ 3,000 and paid wages ₹ 1,000 for installation of machinery. Payment of wages debited to wages account

(vi) Depreciation charged @ 8% on above machinery

(vii) Unearned commission ₹ 2,000

(viii) Good valued ₹ 5,000 distributed as free sample for new product.

सांराश (Summery)

1. व्यापारी को अपने व्यापार का सही शुद्व लाभ तथा आर्थिक स्थिति का पता लगाने के लिए समायोजन सहित अन्तिम खाते बनाते समय पूँजीगत तथा आयगत मदो में अन्तर करना चाहिये। समायोजन के प्रभाव का दिखाने के लिय जो लेंखांकन प्रविष्टि की जाती है उसे समायोजन प्रविष्टि कहते है।

2. लेखा वर्ष के अन्त में व्यापार में कुछ खर्चे चुकाने बाकी रह जाते है उन्हे अदत्त व्यय कहते है।

3. ऐसे खर्चे जो चालु वर्ष में चुका दिये जाते है लेकिन उनका लाभ आगामी वर्ष मे प्राप्त होता है वे पूर्वदत्त व्यय कहलाते है।

4. ऐसी आय जो चालु लेखा वर्ष में प्राप्त हो गई है लेकिन अगले लेखा वर्ष से सम्बन्धित है उसे अनुपार्जित आय (Unnered Income) कहते है।

5. स्थाई सम्पत्तियो के निरन्तर प्रयोग से उसके मूल्यो में जो कमी आती है उसे मूल्यह्रास कहते है। मूल्य–ह्रास को लाभ–हानि खाते के नाम पक्ष में तथा स्थिति–विवरण में सम्बन्धित सम्पत्तियो में से घटा कर दिखाते है।

6. व्यापार में उधार बेंचे गए माल का कुछ रूपया डूब जाता है तथा कुछ रूपयो के प्राप्त होने की सम्भावना होती है। व्यापारी ऐसे ऋणो के लिये एक निश्चित राशि लाभ–हानि खाते से निकालकर अलग कर देते है। जिसे हम डूबत एवं संदिग्ध ऋणो के लिए आयोजन कहते है।

बहुचयनात्मक प्रश्न (Multiple Choice Question)

(1) रहतिया एक सम्पत्ति है–

(अ) स्थायी (स) चालू

(स) अदृश्य (द) इनमें से कोई नही। ( )

(2) वर्ष के अन्त के रहतिये का मूल्यांकन किया जाता है –

(अ) लागत मूल्य पर (ब) बाजार मूल्य पर

(स) लागत मूल्य और बाजार मूल्य जो दोनो मे से कम हो (द) व्यापारी की इच्छानुसार ( )

(3) अदत्त / उपार्जित व्यय हैं –

(अ) चलू वर्ष के व्यय जो चुकाने बाकी है (ब) गत वर्ष के व्यय जो चुकाने बाकी है

(स) अगले वर्ष के व्यय जो चुकाने बाकी है (द) किसी भी वर्ष के व्यय जो चुकाने बाकी है ( )

(4) पूर्वदत्त व्यय है –

(अ) चालू वर्ष के व्यय (ब) गत वर्ष के व्यय

(स) अगले वर्ष के व्यय (द) किसी भी वर्ष के व्यय नही ( )

(5) अदत्त / उपार्जित व्ययो का समायोजन करते समय इन्हे सम्बन्धित व्यय की मद मे –

(अ) से घटाया जाता है। (ब) जोड़ा जाता है।

(स) भाग दिया जाता है। (द) गुणा किया जाता है। ( )

(6) अदत्त व्यय खाते के शेष को अन्तिम खातो मे दिखाया जाता हैं –

(अ) व्यापार खाते में (ब) लाभ–हानि खाते मे

(स) तलपट मे (द) चिट्ठे में ( )

(7) पूर्वदत्त व्यय को चिट्ठे में दिखाया जाता है–

(अ) नाम पक्ष में (ब) जमा पक्ष में

(स) दायित्व पक्ष मे (द) सम्पत्ति पक्ष में ( )

(8) पूर्वदत्त व्यय खाता है –

(अ) व्यक्तिगत (ब) वास्तविक

(स) अवास्तविक (द) प्रतिनिधि ( )

(9) उपार्जित आय जिस वर्ष की आय है वह है –

(अ) चालू वर्ष (ब) गत वर्ष

(स) अगला वर्ष (द) किसी भी वर्ष की नही ( )

(10) अनुपार्जित आय जिस वर्ष की आय होती है वह है –

(अ) अगला वर्ष (ब) चालू वर्ष ( )

(स) गत वर्ष (द) किसी भी वर्ष

(11) मूल्यह्रास है –

(अ) आयगत हानि (ब) सम्पत्ति ( )

(स) पूँजीगत हानि (द) खर्च

12. एक मैनेजर को उसका कमीशन घटाने के बाद शुद्व लाभ का 10 प्रतिशत कमीशन दिया है। कमीशन घटाने से पूर्व शुद्व लाभ की राशि 66,000 ₹ है। देय कमीशन के समायोजन प्रविष्टि की जायेगी –

(अ) Out Standing Commission A/c Dr. 6,600
To Manager's A/c 6,600

(ब) Commission A/c Dr. 6,600
To Outstanding Commission A/c 6,600

(स) Commission A/c Dr. 6,000
To Outstanding Commissiona A/c 6,000

(द) Out Standing Commission A/c Dr. 6,000
To Manager's A/c 6,000 ( )

अतिलघुरात्मक प्रश्न (Very Short Answer Type Question)

1. बैंक से भुनाया गया बिल जिस की देय तिथि अन्तिम खाते बनाने के बाद होगी। अन्तिम खातो में इसे कैसे दर्शाया जायेगा। (मा.शि.बोर्ड राज. 2001)
2. तलपट में सम्मिलित प्रशिक्षु प्रीमियम अंतिम खातो में कहा दर्शाते है। (मा.शि.बोर्ड राज. 2001)
3. तलपट में लिखे हुए डूबत ऋण 600 ₹ डूबत एवं संदिग्ध ऋण आयोजन 700 ₹ और विविध देनदार 24,200 ₹ है। देनदारो पर संदिग्ध ऋण के आयोजन को 5 प्रतिशत से बढाना है। लाभ–हानि खाते से ली जाने वाली राशि ज्ञात कीजिये। (मा.शि.बोर्ड राज. 2002)
4. अमूर्त सम्पत्तियो के तीन उदाहरण दीजिए। (मा.शि.बोर्ड राज. 1996)
5. चिट्ठे में मदो को जमाने के क्रम बतलाइये ? (मा.शि.बोर्ड राज. 1995)
6. व्यापार खाते का नाम शेष अंतिम खातो में कहां दर्शाया जाता है?
7. अदत्त मजदूरी को अंतिम खातो मे कहां–कहां दिखाया जाता है?
8. तलपट में एक मद अनुपार्जित आय की शामिल है। अन्तिम खातो में इसे कहां दिखाया जायेगा। (मा.शि.बोर्ड राज. 1999)
9. तलपट में दिये गये उचन्ती खाते के नाम शेष को चिट्ठे के किस पक्ष में दिखायेगे। (मा.शि.बोर्ड राज. 1999)
10. जीवन बीमा प्रिमियम' को अन्तिम खातो में कहां व किस पक्ष मे दिखायेगे। (मा.शि.बोर्ड राज. 1998)
11. देनदारो में से घटायी जाने वाले किन्ही दो आयोजनों का नाम लिखिये?
12. चालु सम्पत्तियो के दो उदाहरण दीजिये ?
13. लेनदारो को चिट्ठे के कौनसे शीर्षक के अन्तर्गत दिखाया जाता है?

लघुउतरात्मक प्रश्न (Short Answer Type Question)

1. समायोजन किसे कहते है।
2. समायोजन करने के उद्वेश्य क्या है।

3. समायोजन प्रविष्टियां किसे कहते है।
4. बकाया व्यय किसे कहते है।
5. पूर्वदत्त व्यय किसे कहते हे।
6. मूल्य ह्रास किसे कहते है।
7. उपार्जित आय तथा अनुपार्जित आय में अन्तर बतलाइये।
8. एक व्यापारी ने 13 माह का अग्रिम किराया 5,200 ₹ प्राप्त किया। किराया खाता बनाइये तथा वर्ष के अन्त में बन्द कीजिये। (मा.शि.बोर्ड राज 2002)
9. एक व्यापारी ने वर्ष 2001 के दौरान कमीशन के 5,000 ₹ चुकाये जिसका 1/5 कार्य अपूर्ण हैं 31 दिसम्बर 2001 को समायोजन प्रविष्टि कीजिये। (मा.शि.बोर्ड राज 2002)
10. वर्ष के अन्त में पूँजी पर ब्याज 5,000 ₹. लगाया। इसको पूँजी पर ब्याज खाते में दर्शाइये तथा इसे बन्द कीजियें। (मा.शि.बोर्ड राज 2001)
11. वर्ष के प्रारम्भ में देनदारो का बट्टा आयोजन की राषि 500 ₹ थी । वर्ष भर में 400 ₹ का बट्टा स्वीकृत किया गया। बट्टा खाता बन्द करने की जर्नल प्रविष्टि दीजिये। (मा.शि.बोर्ड राज 2000)
12. उपार्जित आय एवं अनुपार्जित आय में अन्तर बताइये?
13. तलपट में डूबत ऋण 300 ₹, देनदार 15,000 ₹, संदिग्ध ऋण आयोजन 500 ₹ दिखाये गये है। वर्ष के अन्त में 800 ₹ देनदारो से वसूल न हो सके जो देनदारो में सम्मिलित है व्यापारी देनदारो पर 5 प्रतिशत से देनदारो पर संदिग्ध ऋण आयोजन बनाता है। संदिग्ध ऋण आयोजन खाता बनाइये।?
14. लाभ–हानि खाते के जमा (Credit) शेष 55,000 ₹ है। व्यापारी मैनेजर को 10 प्रतिशत शुद्व लाभ घटाने के पश्चात् कमीशन देता है। कमीशन की गणना कीजिए एवं अंतिम खातो में कहां दिखाया जाता है।
15. चिट्ठे के दायित्व पक्ष में आने वाली मदो को स्थायित्व क्रम में लिखिए ?

निंबन्धात्मक प्रश्न (Essay Type Question)

1. व्यापार खाता किसे कहते है और क्यो बनाया जाता है ? एक काल्पनिक उदाहरण लेकर व्यापार खाता बनाइये।
2. तलपट एवं चिट्ठे में अन्तर बताइये।
3. लाभ–हानि खातो का मदो सहित प्रारूप बनाइये।
4. व्यापार एवं लाभ–हानि खाते को शीर्ष रूप का प्रारूप (Vertical form) तैयार कीजिये ।
5. समायोजन का अर्थ बतलाते हुऐ अंतिम खाते बनाने में इनकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिये ।

आंकिक प्रश्न (Numerical Question)

1. निम्नलिखित सूचनाओं से 31 मार्च 2002 को समायोजन प्रविष्टियाँ दीजिए

(Give adjustment entries from the following information on 31st March 2002)

(1) 1 जुलाई 2001 को 100 ₹ वाले 1000–12 ऋणपत्र खरीदे जिन पर 3,000 ₹ ब्याज प्राप्त हो चुका है। (On 1st July 2001 purchased 1,000 12% Debenture of ₹ 100 each on which interest ₹ 3,000 has been received)

(2) प्राप्त कमीशन 15,000 ₹ से सम्बन्धित 20 प्रतिशत कार्य अपूर्ण है। (20% works is incomplete related to commission received ₹ 15,000)

(3) व्यापारी ने वर्ष के मध्य में 10,000 ₹ का आहरण किया। आहरण पर 10 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देय है। (Trader withdrew ₹ 10,000 in the mid year interest on drawings was charge at 10% per annum)

(4) 1 अप्रेल 2001 को मशीन खाते का शेष 90,000 रू. था 31 दिसम्बर 2001 को 50,000 ₹ की नयी मशीन खरीदी। वर्ष के अन्त में 20 प्रतिशत मूल्य ह्रास चार्ज करना है। (On 1st April 2001 the balance of Machinery Account was ₹ 90,000 on 31st Dec., 2001, a new machine of Rs. 50,000 was purchased. At the end of the year, 20% depreciation is to be charged)

(मा.शि.बोर्ड राज.2003)

2. 31 मार्च 2010 को श्री रमेश की पुस्तको से निम्नलिखित शेष प्राप्त किये गये है।

(The following Trial Balance have been extracted from the books of Mr. Ramesh as on 31st March, 2010.)

रहतिया	(Stock)	6,000
क्रय	(Purchased)	11,500
विक्रय	(Sales)	16,100
पूँजी	(Capital)	2,600
लेनदार	(Creditors)	3,859
आवक वापसी	(Return Inward)	600
ऋण लिया	(Loan Taken)	1,500
प्राप्य बिल	(Bill Receivable)	200
जावक वापसी	(Return Outward)	500
देनदार	(Debtors)	2,500
मशीनरी	(Machinery)	1,100
भवन	(Building)	990
किराया चुकाया	(Rent Paid)	300
ऋण पर ब्याज चुकाया	(Paid on Int. on Loan)	100
प्राप्त कमीशन	(Commision Received)	371
संदिग्ध ऋण आयोजन	(Provision for doubtful Debts)	200
डूबत ऋण	(Bad Debts)	40
बैंक शेष	(Bank Balance)	450
रोकड़ शेंष	(Cash Balance)	51
फर्नीचर	(Furniture)	500
स्थापना व्यय	(Establishment Exp.)	800
भविष्य निधि वेतन से काटा गया क्रेडिट	(P.F. deducted from Salaries Credit)	50
बिजली खर्च	(Electic Charges)	49

अन्य सूचनाएँ (Other Information) :

(1) 31 मार्च 2010 को रहतिया 5,000 ₹।

(2) ऋण पर बकाया ब्याज 50 ₹ हैं

(3) 40 रू. और डूबत ऋण अपलिखित कीजिये तथा संदिग्ध ऋण आयोजन खाते को 200 ₹ से बढाये।

(4) मशीनरी पर 15 प्रतिशत तथा फर्नीचर पर 10 प्रतिशत वार्षिक दर पर मूल्य ह्रास काटिए।

(5) 10 प्रतिषत कमीशन शुद्व लाभ पर (इस पर कमीशन घटाने के बाद) जनरल मैनेजर को दिया जाना है।

31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए समायोजन प्रविष्टियॉ कीजिये तथा इसी तिथि को समायोजित तलपट तैयार कीजिये ।

(i) Stock Rs. 5,000 on 31st March 2010

(ii) Outstanding interest on loan is Rs. 50

(iii) Write-off further Bad Debts of Rs. 40 and increase the balance of provision for Doubtful

debts by Rs. 200

(iv) Charge depreciation at 15% on Machinery and 10% on furniture per annum.

(v) A commission of 10% on Net Profit (after chargine such commission) to be given to the General manager.

Prepare adjustment entries for the year ending 31st March, 2010 and final accounts.

(Ans. : Gross Profit ₹ 3,500, Net Profit ₹ 1,888 and Total of Balance Sheet ₹ 10,136.)

3. श्री राम नारायण एण्ड सन्स की पुस्तकों मे 31 मार्च, 1994 को निम्नलिखित तलपट बनाया गया था,
(The following Trial Balance was prepared in the books of Shri Ram Naryan & Sons as 31st March 1994:

Name of Accounts	(नामे राशि) **Debit** ₹	(जमा राशि) **Credit** ₹
आहरण व पूँजी (Drawing & Capital)	5,000	1,00,000
क्रय व विक्रय (Purchases and Sales)	68,000	1,50,000
विविध देनदार (Sundry Debtors)	40,000	-
रहतिया (Stock)	30,000	-
आवक वापसी (Return inward)	3,000	-
बैंक अधिविकर्ष (Bank Overdraft)	-	12,000
वेतन (Salaries)	17,000	-
कार्यालय ताप व रोशनी (Office heating & Lighting)	2,000	-
पट्टे पर जायदाद (Lease-hald property)	80,000	-
कमीशन प्राप्त (Commision Received)	-	2,000
यात्रा व्यय (Travelling Expenses)	3,000	-
छपाई व लेखन–सामग्री (Printing & Stationary)	1,000	-
फर्नीचर (Furniture)	9,000	-
संदिग्ध ऋण आयोजन (Provision for Doubtful Debts)	-	4,000
मजदूरी व भाड़ा (Wages & Fright)	10,000	-
योग राशि (Total Rs.)	**2,68,000**	**2,68,000**

31 मार्च, 1995 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए समायोजन प्रविष्टिया कीजिये एवं समायोजित तलपट बनाइये।

1. रहतिया 15,000 रू. मूल्यांकित किया गया।
2. मजदूरी के 1,000 रू. अभी देना बाकी है।
3. प्राप्त कमीशन का 75 प्रतिशत कार्य ही पूरा हुआ है।
4. पट्टे की जायदाद पर 5 प्रतिशत व फर्नीचर पर 10 प्रतिशत ह्रास काटिए।
5. संदिग्ध ऋण आयोजन देनदारो के 6 प्रतिशत तक बनाये रखना है।
6. 10,000 रू. की एक नई मशीन खरीदी तथा भुगतान चेक द्वारा कर दिया गया। किन्तु पुस्तको में इसका कोई लेखा नही किया गया।
7. वेतन 2,000 रू. आगामी वर्ष से सम्बन्धित है।

Prepare adjustment entries for the year ending 31st March, 1995 and final accounts.

1. Stock as valued at Rs. 15,000
2. Wages are still in arrear of Rs. 1,000.
3. Only 75% work is completed of the commission received.
4. Charge depreciation 5% on lease-held property and 10% on furniture.
5. Provision for Doubtful Debts is to be maintained @ 6% on Debtors
6. A new machinery was purchased for Rs. 10,000 and payment was made by cheque, but no entry had been passed for it in the books
7. Salary Rs. 2,000 is relating to the next year.

(मा.शि.बोर्ड राज. 1995)

(Ans. : Gross Profit ₹ 53,000, Net Profit ₹ 30,200 and Total of Balance Sheet ₹ 1,48,700.)

4. 31 दिसम्बर, 1997 को एक्स के व्यवसाय का तलपट निम्न प्रकार है।

(Following is the Trial Balance of the business of x as on 31st December 1997) :

(खाते का नाम) Name of Accounts	(नामे राशि) Debit ₹	(जमा राशि) Credit ₹
पूँजी (Capital)	-	6,200
भवन (Building)	6,000	-
रोकड़ शेष (Cash Balance)	700	-
विनियोग 01.04.1997 को क्रय किये (Investment purchase on 1-4-1997)	1,200	-
फर्नीचर (Furniture)	600	-
देनदार व लेनदार (Debtors & Creditors)	1,420	1,100
विनियोगो पर आधे वर्ष का ब्याज (Int. on Investment For half Year)	-	100
बट्टा (Discount)	20	-
छपाई व लेखन–सामग्री (Printing & Stationary)	50	-
किराया व दरे (Rent & Rates)	1,700	-
मजदूरी व चुंगी (Wages & Octori)	710	-
क्रय व विक्रय (Purchases and Sales)	8,000	12,600
वापसी (Return)	600	1,000
योग राशि (Total Rs.)	**21,000**	**21,000**

निम्न समायोजनो को ध्यान में रखते हुए 31 दिसम्बर, 1997 को समायोजित समायोजन प्रविष्टिया कीजिये एवं समायोजित तलपट बनाइये।

1. वर्ष के अंत के रहतिया का लागत मूल्य 1,400 तथा बाजार मूल्य 1,300 ₹ है।
2. छपाई के 30 ₹ देना बकाया है।
3. लेनदारो से 300 ₹ वसूल नही हुए है।
4. भवन व फर्नीचर पर क्रमश 5 प्रतिशत व 10 प्रतिशत वार्षिक दर से ह्रास लगाइए।
5. एक्स ने 300 ₹ व्यक्तिगत प्रयोग के लिए निकाले।

Considering the following adjustment, prepare Adjustment entries and final accounts.

Cost Price of stock at the end is Rs. 1,400 and Market Price is Rs. 1,300.

1. Rs. 30 is outstanding for printing.
2. Rs. 300 could not be realized from debtors
3. Depreciate building and furniture @ 5% P.a. and 10% P.A. respectively.

4. X Withdraw Rs. 300 for personal use.

(Ans. : Gross Profit ₹ 5,590, Net Profit ₹ 3,580 and Total of Balance Sheet ₹ 10,610.)

(मा.शि.बोर्ड राज. 1998)

5. विवेक ब्रदर्स का 31 मार्च 1998 को तलपट निम्नलिखित था। (Following was the trial balance of Vivek as on 31 March, 1998) :

Name of Accounts	(नामे राषि) Debit ₹	(जमा राषि) Credit ₹
पूँजी (Capital)		1,25,000
भवन (Building)	75,000	-
रहतिया (Stock)	34,500	-
क्रय व विक्रय (Purchases and Sales)	54,750	1,28,500
वापसी (Return)	2,000	1,250
फर्नीचर (Furniture)	6,500	-
मोटर कार (Motor Car)	60,000	-
डूबत ऋण (Bed Debts)	1,750	-
संदिग्ध ऋण आयोजन (Provision for Doubtful Debts)	-	3,000
ब्याज (Interest)	1,000	-
कमीषन (Commision)	-	3,750
कर तथा बीमा (Tax and Insurance)	8,000	-
रोकड़ (Cash)	6,500	-
बैंक अधिविकर्ष (Bank Overdraft)	-	54,500
कार व्यय (Car Expenses)	9,000	-
सामान्य व्यय (General Expenses)	8,000	-
वेतन (Salaries)	33,000	-
देनदार व लेनदार (Debtors & Creditors)	40,000	24,000
योग राशि (Total Rs.)	**3,40,000**	**3,40,000**

निम्नलिखित समायोजनो को ध्यान में रखते हुए व्यापार एवं लाभ–हानि खाता तथा चिट्ठा तैयार कीजिए–

Prepare Trading and Profit & Loss Account and Balance Sheet taking in to account the following adjustments.

(1) वर्ष के अन्त में रहतिया 32,500 ₹ था (Stock at the end was ₹ 32,500)

(2) भवन पर 10 प्रतिशत व मोटर कार पर 15 प्रतिशत ह्रास अपलिखित कीजिए। (Depreciate Building By 10% and Motor Car By 15%)

(3) वेतन 11 माह का चुकाया गया है। (Salaries has been paid for 11 month only)

(4) 1,500 ₹ का माल दान में दिया। (Goods worth Rs. 1,500 given away as charity)

(5) डूबत ऋण के 500 ₹ और अपलिखित कीजिए तथा देनदारो पर संदिग्ध ऋण आयोजन 5 प्रतिषत से बढाए। (Write off ₹ 500 further baddebts and increase provision for doubtful debts by 5% on debtors.)

(6) मोटर कार पूर्ण रूप से स्वामी द्वारा निजि प्रयोग में लायी जाती है। (The moter Car is wholly used

for private purposes by the proprietor)

(Ans. : Gross Profit ₹ 72,500, Net Profit ₹ 13,025 and Total of Balance Sheet ₹ 2,01,525.)

(मा.शि.बोर्ड राज. 1999)

6. 31 मार्च 1998 को श्री अनिल की पुस्तको में निम्नलिखित शेष प्राप्त किये गये है।

(The following balance were extractal form the Books of Mr. Anil on 31st March 1998)

Name of Accounts	₹
स्कन्ध (Stock)	68,000
क्रय (Purchases)	7,40,000
विक्रय (Sales)	11,00,000
विक्रय व्यय (Selling Expenses)	70,000
पूँजी (Capital)	5,00,000
लेनदार (Creditors)	1,20,000
आवक गाडी भाड़ा (Carriage Inward)	8,000
कारखाना ईधन व भाड़ा (Factory Fuel and Fright)	32,000
देय बिल (Bills Payable)	24,000
बैक ऋण (Bank Loan)	40,000
प्राप्य बिल (Bill Receivable)	50,000
अग्नि बीमा प्रीमियम (Fire Insurance Premium)	4,000
जावक वापसी (Return Outward)	4,000
देंनदार (Debtors)	1,74,000
मशीनरी (Machinery)	2,00,000
भवन (Building)	2,80,000
वेतन एवं मजदूरी (Salaries and Wages)	94,000
बैक ऋण पर ब्याज (Interest on Bank Loan)	4,000
प्राप्त कमीशन (Commision Received)	6,000
संदिग्ध ऋण आयोजन (Provision for Doubtful Debts)	6,000
डूबत ऋण (Bed Debts)	4,000
आहरण (Drawing)	60,000
रोकड़ शेष (Cash Balance)	10,000
उपार्जित कमीशन (Accured Commission)	2,000

अन्य सूचनाएँ (Other Information)

(1) 31 मार्च 1998 को स्टॉक 98,800 ₹। (Stock on 31st March, 1998 was of ₹ 98,800)

(2) 5,000 ₹ उधार फर्नीचर क्रय का लेखा पुस्तको में नही किया गया। (No entry has been passed in the books of account for Credit purchases of furniture ₹ 5,000)

(3) अग्नि बीमा प्रीमियम पूर्वदत्त 300 ₹ तथा बैंक ऋण पर बकाया 400 ₹ है। (Fire Insurance Premium of ₹ 300 is prepaid and outstanding interest on Bank Loan is Rs. 400)

(4) देनदारो पर संदिग्ध ऋण आयोजन 5 प्रतिशत बनाये रखना है। (Provision for doubtful debts is to be maintained at 5% on Debtors)

(5) ह्रास लगाइये भवन पर 5 प्रतिशत तथा मशीनरी पर 10 प्रतिशत वार्षिक (Charge Depreciation 5%

on Building and 10% on Machinery per annum)

(6) मैनेजर को शुद्व लाभ पर 10 प्रतिशत कमीशन का प्रावधान (इस कमीशन को देने से पूर्व) कीजिये। (Provision for Commission to Manager 10% on Net Profit [Before Chargin such Commision.)

31 मार्च, 1998 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए व्यापार खाता, लाभ हानि खाता एवं उसी तिथि को स्थिति विवरण बनाइये। (Prepare Trading Account, Profit & Loss Account for the year ending 31st March 1998 and the Balance Sheet on that date.) (मा.शि.बोर्ड राज. 2001)

(Ans. : Gross Profit ₹ 3,54,800, Net Profit ₹ 1,33,200 and Total of Balance Sheet ₹ 7,77,400.)

7. 31 दिसम्बर, 1993 को श्री प्रतीक की पुस्तको से निम्नलिखित शेष प्राप्त किये गये है।

(The following balances were extracted form the Books of Mr. Pratik as on 31st Dec. 1993)

Particular	Amount ₹	Particualr	Amount ₹
स्कन्ध (Stock)	34,000	देय विपत्र (Bills Payable)	12,000
क्रय (Purchase)	3,70,000	cSda _.k (Bank Loan)	20,000
विक्रय (Sales)	5,50,000	प्राप्य बिल (Bill Receivable)	25,000
विक्रय व्यय (Selling Expenses))	35,000	अग्नि बीमा प्रीमियम (Fire Insurance Premium)	2,000
पूँजी (Capital)	2,50,000	जावक वापसी (Return Outward)	2,000
लेनदार (Creditors)	60,000	देंनदार (Debtors)	87,000
आवक वापसी (Return Inward)	4,000	मशीनरी (Machinery)	1,00,000
कारखाना ईंधन व शक्ति (Factory Fuel and Power)	16,000	भवन (Building)	1,40,000
वेतन एवं मजदूरी (Salaries & Wages)	47,000	डूबत ऋण (Baddebts)	2,000
बैंके ऋण पर ब्याज (Interest on Bank Loan)	2,000	आहरण (Drawings)	30,000
कमीशन प्राप्त (Commission Received)	3,000	रोकड़ हस्ते (Cash In Hand)	6,000
संदिग्ध ऋण के लिए आयोजन (Provision for Doubtful Debts)	3,000		

अन्य सूचनाएँ (Other Information)

(1) 31 मार्च 1998 को स्टॉक 49,400 ₹ । (Stock on 31st March, 1998 was of ₹ 49,400)

(2) 1,000 ₹ उधार क्रय एवं 3,000 ₹ उधार बिक्री की प्रविष्टिया पुस्तको में नही की गई। (Credit purchase of ₹ 1,000 and Credit Sales of ₹ 3,000 were not recorded in books)

(3) अग्नि बीमा प्रीमियम पूर्वदत्त 500 ₹ तथा बैंक ऋण पर बकाया 400 ₹ एवं उपार्जित कमीशन 1,000 रू. है। (Fire Insurance Premium of ₹ 500 is prepaid, outstanding interest on Bank Loan is ₹ 400 and Accured commission is ₹ 1,000)

(4) देनदारो पर संदिग्ध ऋण आयोजन 5 प्रतिशत बनाये रखना है। (Provision for doubtful debts is to be maintained at 5% on Debtors)

(5) ह्रास लगाइये भवन पर 5 प्रतिशत तथा मशीनरी पर 10 प्रतिशत वार्षिक (Charge Depreciation 5% on Building and 10% on Machinery per annum)

(6) मैनेजर को शुद्व लाभ पर 10 प्रतिशत कमीशन का प्रावधान इस प्रकार का कमीशन घटाने के बाद कीजिये। (Provide for Manager Commission @10% on Net Profit after charging such

Commision.)

31 दिसम्बर, 1993 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए व्यापार खाता, लाभ–हानि खाता एवं उसी तिथि का चिट्ठा बनाइये।

(Prepare Trading Account, Profit & Loss Account for the year ending 31st Dec. 1993 and the Balance Sheet on that Date) (मा.शि.बोर्ड राज. 1994)

(Ans : सकल लाभ ₹ 1,79,400 शुद्व लाभ ₹ 70,000, चिटठे का योग – 3,90,400)

8. निम्नलिखित शेषो एवम् सूचनाओ के आधार पर एक्स का 31 मार्च 2010 को समाप्त होने वाली अवधि का व्यापार खाता एवं लाभ–हानि खाता एवम् इसी तिथि का चिट्ठा बनाइये।

(From the following balance and information, prepare Trading and Profit & Loss accounts fo Mr. X for the year ended 31st March, 2010 and Balance Sheet as on that date)

Particulars	Dr. Amount	Cr. Amount
एक्स का पूँजी खाता (X's Capital Account)	-	10,000
संयत्र एवं मशीनरी (Plant & Machinery)	3,600	-
संयत्र एवं मशीनरी पर मूल्य ह्रास (Depreciation On Plant & Machinery)	400	-
संयत्र की मरम्मत (Repair to Plant)	520	-
मजदूरी (Wages)	5,400	-
वेतन (Salaries)	2,100	-
एक्स का आयकर (Income Tax of Mr. X)	100	-
रोकड़ एवं बैंक (Cash in Hand & Bank)	400	-
भूमि एव भवन (Land & Building)	14900	-
भूमि एव भवन पर मूल्य ह्रास (Depn. on Land & Building)	500	-
क्रय (Purchases)	25,000	-
क्रय वापसी (Purchases Return)	-	300
विक्रय (Sales)	-	49,800
बैंक अधिविकर्ष (Bank Overdraft)	-	760
अदत्त वेतन (Salaries Outstanding)	-	400
प्राप्य बिल (Bill Receivable)	3,000	-
डूबत ऋण का आयोजन (Provision for Bad-Debts)	-	1,000
देय बिल (Bill Payable)	-	1,600
डूबत ऋण (Bad Debts)	200	-
क्रय पर छूट (Discount on Purchase)	-	708
देंनदार (Debtors)	7,000	-
लेनदार (Creditors)		6,252
रहतिया (Stock)1.4.2009	7,400	
योग राशि (Total Rs.)	**70,820**	**70,820**

समायोजन (Adjustment)

(1) 31 मार्च 2010 को रहतिया 6,000 ₹ (Stock on 31st March, 2010 was of ₹ 6,000)

(2) 600 ₹ डूबत ऋण के ओर अपलिखित कीजिए और देनदारो पर 5 प्रतिशत के बराबर डूबत ऋण प्रावधान बनाइये। (Write off further ₹ 600 for Bad debts and maintain a provsion for Bad debts at 5% on debtors)

(3) 240 ₹ कार्यालय किराये के चुकाये जिसे भू–स्वामी के खाते मे नाम लिख दिये और इसे देनदारो की सूची में शामिल कर लिया गया। (₹ 240 paid as Rent of the office were debited to landlord account and were included in the list of debtors)

(4) मुख्य प्रबन्धक ऐसे शुद्व लाभ पर 10 प्रतिशत कमीशन प्राप्त करने का अधिकारी हैं, जिसकी गणना कारखाना प्रबन्धक का कमीशन तथा स्वंय का कमीशन घटाने के पश्चात् शेष रहे। (General Manager is entitled to a commission at 10% of net profit after charging the commission of the works manager and his own)

(5) कारखाना प्रबन्धक को ऐसे शुद्व लाभ के 12 प्रतिशत के बराबर कमीशन दिया जायेगा। जो मुख्य प्रबन्धक तथा स्वयं कारखाना प्रबन्धक का कमीशन घटाने से पूर्व शेष रहे। (Works Manager to be given commission at 12% of net profit before charging the commission of General Manager and his own.)

(Ans. : Gross Profit ₹ 18,300, Net Profit ₹ 12,112 and Total of Balance Sheet ₹ 34,052.)

उत्तर तालिका

स्वयं जांच – 1 1. स 2. द 3. द 4. अ 5. द

स्वयं जांच – 2 1. स 2. द 3. ब 4. अ 5. स 6. अ

स्वयं जांच – 3 (2) Outstanding Intt. ₹ 500, (3). ₹ 9,540, (4) ₹ 11,100, (5) Outstanding Interest ₹ 70, (7) ₹ 30,000 (9) ₹ 5,000

स्वयं जांच – 4 1. स 2. स 3. अ 4. द 5. अ 6. स 7. द

स्वयं जांच – 5 (1) Provision for doubtful debts transferred to P&L A/c ₹ 2,500.
(2) Salary shown in P&L A/c ₹ 62,800
(5) Provision for doubtful debts transfer to P&L ₹ 15,900.

बहुचयनात्मक प्रश्न – 1. ब 2. स 3. अ 4. स 5. ब 6. द
7. द 8. द 9. अ 10. अ 11. अ 12. स